भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE | DELHI | 27 MARCH 2026

Modi to open Phase 1 of new Noida int'l airport tomorrow

₹11.2K-cr Jewar airport will be integrated with IGI

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, MARCH 26

Prime Minister Narendra Modi will inaugurate the newly constructed Noida International Airport at Jewar, envisioned as a major international gateway for the National Capital Region (NCR), on Saturday. The Noida airport has been developed as the second international airport for the Delhi-NCR region, complementing Delhi's Indira Gandhi International Airport.

THE INAUGURATION of Noida airport marks a significant milestone in India's journey towards becoming a global aviation hub

The Prime Minister's Office (PMO) said that Mr Modi will visit Uttar Pradesh on March 28. Before inaugurating Phase I of the new airport in Jewar around Saturday noon, Mr Modi will undertake a walk-through of the terminal building of Noida International Airport.

The inauguration of Noida airport marks a significant milestone in India's journey towards becoming a global aviation hub. "The airport, envisioned as a major international gateway for the NCR, represents a major step in strengthening the country's airport infrastructure and

Turn to Page 4

Modi to open Ph-1 of Noida int'l airport Sat.

Continued from Page 1

enhancing regional and international connectivity," the PMO said, adding that the Noida International Airport will complement the Indira Gandhi International Airport, and the two airports will function as an integrated aviation system, easing congestion, expanding passenger capacity, and positioning Delhi NCR among leading global aviation hubs.

The Noida International Airport is among the largest greenfield airport projects in the country and has been developed at a total investment of around ₹11,200 crores under a public–private partnership (PPP) model.

The airport will initially have a passenger handling capacity of 12 million passengers per annum (MPPA), with scalability up to 70 MPPA upon full development. It features a 3,900-metre runway capable of handling wide-body aircraft, along with modern navigation systems, including the instrument landing system and advanced airfield lighting to support efficient, all-weather, round-the-clock operations.

The airport also incorporates a robust cargo ecosystem, including a multi-modal cargo hub, featuring an integrated cargo terminal and logistics zones. The cargo facility is designed to handle over 2.5 lakh metric tonnes annually, expandable to around 18 lakh metric tonnes, and includes a dedicated 40-acre maintenance, repair and overhaul (MRO) facility.

Designed as a sustainable and future-ready infrastructure project, Noida International Airport aims to operate as a net-zero emissions facility, integrating energy-efficient systems and environmentally responsible practices. Its architectural design draws inspiration from Indian heritage, incorporating elements reminiscent of traditional ghats and havelis, thereby blending cultural aesthetics with modern infrastructure.

"Strategically located along the Yamuna Expressway, the Noida International Airport is planned as a multi-modal transport hub with seamless integration across road, rail, metro, and regional transit systems, ensuring efficient connectivity for passengers and cargo," the PMO added.

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का कल उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नवनिर्मित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का उद्घाटन करेंगे। इस हवाईअड्डे को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार के तौर पर देखा जा रहा है।

■ पीएम मोदी 28 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे जेवर में हवाईअड्डे की टर्मिनल बिल्डिंग का जायजा लेंगे। दोपहर करीब 12 बजे वह हवाईअड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर मोदी जनसभा को भी संबोधित करेंगे। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA | DELHI | 27 MARCH 2026

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का कल उद्घाटन करेंगे मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नवनिर्मित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का उद्घाटन करेंगे। इस हवाईअड्डे को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार के तौर पर देखा जा रहा है। पीएम मोदी 28 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे गौतम बुद्ध नगर के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की टर्मिनल बिल्डिंग का जायजा लेंगे। इसके बाद, दोपहर करीब 12 बजे, वह नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वह एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। यह हवाईअड्डा भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा परियोजनाओं में से एक है। इसे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के तौर पर विकसित किया गया है।

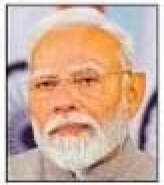

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 27 MARCH 2026

यमुना और नोएडा एक्सप्रेसवे पर 16 घंटे भारी वाहनों की आवाजाही बंद

नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के मद्देनजर एडवाइजरी, कल सुबह 7 से रात 11 बजे तक रहेगी रोक

अमर उजाला नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर यातायात पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर दी है। शनिवार को नोएडा एक्सप्रेसवे के साथ यमुना एक्सप्रेसवे के साथ एयरपोर्ट के आसपास की सड़कों पर मालवाहक वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद रहेगी। सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक यह रोक लागू रहेगी।

इसके साथ ही एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह में आने वाले लोगों के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। यातायात पुलिस ने लोगों से डायवर्जन का पालन करने की अपील की है। यातायात पुलिस के अफसरों ने बताया कि नोएडा एक्सप्रेसवे से एयरपोर्ट आने वाले लोगों को गलगोटिया कट से उतरना होगा।

वहां से एक्सपो मार्ट गोल चक्कर से यू-टर्न लेने के बाद एनएसजी गोल चक्कर से होकर यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे 60 मीटर रोड गलगोटिया यूनिवर्सिटी की तरफ भेजा जाएगा।

फलैदा कट से नगला कंचन तिराहा से बाएं टर्न लेकर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे से रनहेरा पुलिस चौकी पहुंचेंगे। वहां चौकी के सामने अस्थायी गेट से प्रवेश दिया जाएगा।

वहीं ग्रेनो वेस्ट और सूरजपुर की तरफ से परी चौक आने वाले वाहनों को पी-3 गोल चक्कर से हौंडा चौक भेजा जाएगा। हौंडा चौक से दाएं मुड़कर पुस्ता तिराहा से होकर वाहनों को गलगोटिया यूनिवर्सिटी की तरफ भेजा जाएगा। 60 मीटर रोड से होकर वाहन फलैदा कट नगला कंचन तिराहे से बाएं मुड़कर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे से पुलिस चौकी के सामने बने अस्थायी गेट से प्रवेश करेंगे।

अफसरों ने बताया कि दनकौर, रोनीजा, रबूपुरा की तरफ से आने वाले वाहन दनकौर रबूपुरा सर्विस मार्ग होकर फलैदा कट से बाएं तिरथली चौराहा पहुंचेंगे। दाएं मुड़कर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे से होकर नहर की पटरी पर पहुंचेंगे और फिर सिवारा की पुलिया से बाएं तरफ गेट से प्रवेश कर सकेंगे।

इन रास्तों से आ सकते हैं आसपास व अन्य जिलों के लोग

- मेरठ व गाजियाबाद से आने वाले वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल होकर सिरसा टोल से नीचे उतरकर सिरसा गोलचक्कर से डाढ़ा गोलचक्कर पहुंचेंगे। वहां से सुपरटेक गोलचक्कर से नट मढ़ैया गोलचक्कर से हौंडा सीएल चौक से होकर पुस्ता तिराहा (एटीएस) पहुंचेंगे। फिर वहां से बाएं टर्न लेकर गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सामने से डबल सर्विस रोड होकर फलैदा (खुपुरा) कट से नगला कंचन तिराहा पहुंचेंगे। वहां से बाएं टर्न कर दयानतपुर होकर दयानतपुर इंटरचेंज के नीचे रनेहरा पुलिस चौकी के सामने बने अस्थायी गेट से प्रवेश कर निर्धारित सामान्य पार्किंग पी-07 मेरठ और पी-6 गाजियाबाद पर पहुंच सकेंगे।
- मथुरा व अलीगढ़ से यमुना एक्सप्रेसवे होकर आने वाले वाहन जेवर टोल पार करने के बाद जेवर कट से उतरकर दाहिने मुड़कर सबौता अंडरपास से किशोरपुर गेट से प्रवेश कर एयरपोर्ट परिसर में निर्धारित सामान्य पार्किंग पर पहुंच सकेंगे।
- हापुड़, बुलंदशहर, गभाना, खुर्जा, जहांगीरपुर, बंकापुर की तरफ से आने वाले वाहन जेवर खुर्जा मार्ग पर ग्राम थोरा से पहले दाहिने मुड़कर पारोही गेट से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश कर टाटा बोचिंग प्लांट के सामने दाएं तरफ निर्धारित सामान्य पार्किंग पहुंचेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए प्रशासन की ओर से यह पहल की गई है।

वीआईपी, मीडिया व अफसरों को दो जगह से प्रवेश

एयरपोर्ट आने वाले वीवीआईपी, वीआईपी यमुना एक्सप्रेसवे से होकर एयरपोर्ट के इंटरचेंज पर उतरेंगे। पार्किंग से शटल सेवा से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा। वहीं मीडिया के वाहन किशोरपुर गेट से प्रवेश कर पार्किंग तक पहुंचेंगे। पुलिस व प्रशासनिक और अन्य विभाग के कर्मचारी व अधिकारी भी इसी गेट से प्रवेश करेंगे। वहीं प्रशासनिक बस दयानतपुर मार्ग से होकर एयरपोर्ट परिसर में निर्धारित पार्किंग तक जाएंगी।

मालवाहकों का डायवर्जन

जेवर टप्पल मार्ग पर गोपालगढ़ की तरफ से जेवर आने वाले कॉमर्शियल वाहनों को वापस टप्पल की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। जो टप्पल व पलवल होकर अपने गंतव्य की ओर ज सकेंगे। कस्बा खुर्जा से जेवर कस्बा की तरफ आने वाले कॉमर्शियल वाहनों को कस्बा खुर्जा से ही डायवर्ट किया जाएगा। आगरा से से आने वाले यातायात को जेवर टोल से पहले बने यू-टर्न से आगरा की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। नोएडा व ग्रेटर नोएडा से यमुना एक्सप्रेसवे का प्रयोग कर आगरा जाने वाले वाहन परी चौक से अल्फा कॉमर्शियल गोलचक्कर होकर मेट्रो डिपो से गोलचक्कर से 130 मीटर रोड पर पहुंचकर सिरसा गोलचक्कर से ईस्टर्न पेरिफेरल से होकर गंतव्य तक जा सकेंगे। मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद से ईस्टर्न पेरिफेरल से यमुना एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर आगरा, मथुरा, लखनऊ व अन्य जगह जाने के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल के बील अकबरपुर से उतरकर एनएच-91 का प्रयोग कर गन्तव्य को जा सकेंगे।

BUSINESS LINE DELHI 27 MARCH 2026

Aviation demand is resilient despite global tensions: Noida airport CEO

SOLID FOOTING. India's aviation growth remains strong despite geopolitical challenges, confirms Schnellmann

Rohit Vaid
New Delhi

India's aviation growth story remains intact despite ongoing geopolitical disruptions, Noida International Airport (NIA) Chief Executive Officer Christoph Schnellmann told *businessline*.

Schnellmann spoke to *businessline* just before the inauguration of India's newest mega airport at the Jewar township in the Greater Noida area.

"We believe in India's aviation growth story," he said, adding that the investment in the project reflects confidence in the sector's long-term potential.

Noida International Airport CEO Christoph Schnellmann

GROWTH TRAJECTORY

Besides, Schnellmann noted that the airport's completion underscores this growth trajectory and emphasised that the West Asia crisis is a temporary disruption that will not impact India's aviation growth, much like Covid and the earlier supply chain challenges did not derail the sector.

Looking ahead to operations, Schnellmann said the airport will move swiftly to complete the remaining regulatory processes after the inauguration. "We are looking forward to a grand inauguration," he said.

"After approval of the Airport Security Programme, it will take around 30-45 days for the first domestic flight to take off. International flights are expected to start a couple of months after the launch of domestic operations," he added.

Notably, Prime Minister Narendra Modi is expected to inaugurate the greenfield airport in Greater Noida on March 28, marking a milestone for the project, which faced multiple delays.

SECURITY CLEARANCE

The inauguration follows the airport securing security clearance from the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS) and an aerodrome licence from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA).

After the approval of the Aerodrome Security Programme, operational readiness will involve finalising airline networks, route planning and slot approvals in coordination with the DGCA and other stakeholders.

SLOT ALLOTMENT

Once slots are allocated, airlines are expected to begin commercial preparations, including opening bookings and initiating customer outreach ahead of launch.

In terms of airline partnerships, IndiGo is set to be the launch carrier at the airport, while Akasa Air plans to operate both domestic and international services. Air India Express is also expected to commence operations.

Further, discussions are under way with other Indian carriers, while several international airlines have expressed interest in operating from the airport.

CONNECTIVITY OPTION

On the ground, the airport is preparing multiple connectivity options, including intercity and long-haul bus services, airport taxis and app-based cab aggregators, supported by traffic management systems.

Earlier this month, the Union Cabinet approved the construction of a greenfield connectivity corridor linking the international airport with the Faridabad-Ballabhgarh-Sohna spur of the Delhi-Mumbai Expressway at a revised cost of ₹3,631 crore.

Long-term connectivity plans include a proposed Regional Rapid Transit System link and a high-speed rail corridor between Delhi and Varanasi, with a stop at the airport.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 27 MARCH 2026

जेवर एयरपोर्ट का कल उद्घाटन करेंगे मोदी

बीएस संवाददाता
लखनऊ, 26 मार्च

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े जेवर अंतरर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का शनिवार को उद्घाटन करेंगे। जेवर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से हर साल सात करोड़ यात्री सफर कर सकेंगे जबकि इसकी क्षमता 10 लाख टन कार्गो हैंडलिंग की होगी। इस एयरपोर्ट के संचालन से दिल्ली का दबाव कम होगा और उत्तर प्रदेश के उद्यमियों के लिए विदेशों में माल भेजना आसान हो जाएगा।

औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बड़ी कार्गो हैंडलिंग क्षमता के साथ यह एयरपोर्ट प्रदेश के कृषि, एमएसएमई और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को नई गति देगा। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, आगरा, मथुरा, वृंदावन और वाराणसी जैसे प्रमुख धार्मिक शहरों को वैश्विक पर्यटन सर्किट से जोड़ेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते धार्मिक पर्यटन, मेडिकल टूरिज्म और बिजनेस ट्रैवल को भी नई गति मिलेगी।

अधिकारियों के मुताबिक जेवर एयरपोर्ट के विकास के साथ उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट और औद्योगिक परिदृश्य में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) तेजी से प्रीमियम निवेश और औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरेंगे, वहीं बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा-वृंदावन तक अर्बन एक्सपेंशन कॉरिडोर विकसित होकर नए शहरों और टाउनशिप को जन्म देगा। एयरपोर्ट के आसपास होटल, वेयरहाउस, ऑफिस स्पेस, लॉजिस्टिक्स पार्क और डेटा सेंटर में बड़े निवेश आकर्षित होंगे। इससे रोजगार व व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल विनिर्माण, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल जैसे निर्यात-उन्मुख उद्योगों को नई गति मिलेगी, जो इस क्षेत्र को मजबूत इंडस्ट्रियल और एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 27 MARCH 2026

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन कल पीएम करेंगे

नई दिल्ली | पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को जेवर (गौतम बुद्ध नगर) में नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। 11,200 करोड़ रु. से बना यह देश का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट है। शुरुआत में इसकी क्षमता सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी, जिसे 7 करोड़ तक बढ़ा सकेंगे। शनिवार दोपहर 12 बजे उद्घाटन के बाद पीएम जनसभा भी संबोधित करेंगे। दिल्ली-एनसीआर का यह दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा।

DAINIK BHASKAR DELHI 27 MARCH 2026

नवी मुंबई एयरपोर्ट ने 30 रूट जोड़े, 46 शहर जुड़ेंगे

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एमएनआईए) ने पहला समर शेड्यूल जारी करते हुए 30 नए रूट जोड़ने का फैसला लिया है। एयरपोर्ट अब दिल्ली, गोवा, बेंगलुरु, कोच्चि, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, वाराणसी और इंदौर जैसे 46 घरेलू शहरों से सीधे जुड़ जाएगा। उड़ानों की संख्या बढ़ने से क्षेत्र के यात्रियों को इन शहरों के लिए ज्यादा विकल्प मिलेंगे। धार्मिक और व्यावसायिक यात्रा करने वाले लोगों को इस नए हवाई नेटवर्क का सीधा लाभ मिलेगा। यह नया शेड्यूल 29 मार्च से प्रभावी होगा। 24 अक्टूबर तक लागू रहेगा। दिल्ली और बेंगलुरु जैसे रूट पर उड़ानों की फ्रीक्वेंसी सबसे अधिक रखी गई है। इससे आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

DESHBANDHU DELHI 27 MARCH 2026

नोएडा एयरपोर्ट उद्घाटन : मालवाहक वाहनों की आवाजाही रहेगी बंद

नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुभारंभ को लेकर शनिवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे पर विशेष ट्रैफिक व्यवस्था लागू की गई है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वीवीआईपी, वीआईपी और आम लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।

इस दौरान नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे, यमुना एक्सप्रेस-वे और कार्यक्रम स्थल के आसपास भारी, मध्यम और हल्के मालवाहक वाहन नहीं चल सकेंगे। केवल एंबुलेंस, दमकल और अन्य आपातकालीन सेवाओं के वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी।

मेरठ और गाजियाबाद से आने वाले वाहनों का रास्ता

मेरठ और गाजियाबाद से आने वाले वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से सिरसा टोल होकर दाढ़ा गोलचक्कर, सुपरटेक गोलचक्कर, नट मढ़ैया, होंडा सीएल चौक और पुस्ता तिराहा होते हुए गलगोटिया विश्वविद्यालय के सामने से डबल सर्विस रोड से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। ये वाहन पार्किंग पी-7 और गाजियाबाद के वाहन पी-6 में पार्क होंगे।

मथुरा और अलीगढ़ से आने वाले वाहन

मथुरा और अलीगढ़ की ओर से आने वाले वाहन यमुना एक्सप्रेस-वे से जेवर टोल पार कर जेवर कट से उतरकर सबौता अंडरपास से किशोरपुर गेट के जरिए एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। मथुरा के लिए पी-05 और अलीगढ़ के लिए पी-9 व पी-11 तय की गई है।

हापुड़ और बुलंदशहर के लिए मार्ग

हापुड़ और बुलंदशहर से आने वाले वाहन जेवर-खुर्जा मार्ग से ग्राम थोरा से मुड़कर परोही गेट से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। हापुड़ के वाहन पी-14 और बुलंदशहर के वाहन पी-13 में पार्क किए जाएंगे।

वीवीआईपी और वीआईपी के लिए अलग व्यवस्था

अतिविशिष्ट और विशिष्ट अतिथि यमुना एक्सप्रेस-वे के 32 किमी माइलस्टोन पर बने इंटरचेंज से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। इनके वाहन पी-1, पी-2 और पी-3 में पार्क होंगे, जहां से शटल बसों के जरिए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा।

मीडिया कर्मियों के लिए रास्ता

मीडिया कर्मियों के वाहन किशोरपुर गेट से प्रवेश करेंगे और अपने वाहन पी-8 पार्किंग में खड़े करेंगे। पुलिस, प्रशासन और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी किशोरपुर गेट से प्रवेश कर पी-10 पार्किंग में वाहन खड़े करेंगे। वहीं प्रशासनिक बसें दयानतपुर मार्ग से होकर पी-15 पार्किंग तक पहुंचेंगी।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा से आने वालों के लिए मार्ग

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहन गलगोटिया कट, एक्सपोमार्ट गोलचक्कर, एनएसजी गोलचक्कर और पुस्ता तिराहा होते हुए दयानतपुर इंटरचेंज के पास बने अस्थाई गेट से प्रवेश करेंगे। इनके वाहन पी-7 में पार्क होंगे।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट और सूरजपुर से आने वाले वाहन

ग्रेटर नोएडा वेस्ट और सूरजपुर से आने वाले वाहन परीचौक, पी-3 गोलचक्कर, होंडा सीएल चौक और पुस्ता तिराहा से होकर दयानतपुर इंटरचेंज के पास बने अस्थाई गेट से प्रवेश करेंगे। इनके वाहन पी-7 पार्किंग स्थल निर्धारित है।

वहीं जेवर कस्बे से आने वाले वाहन सबौता अंडरपास से किशोरपुर गेट के जरिए एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। इनके लिए पी-12 पार्किंग तय की गई है। दोपहिया और हल्के वाहन किशोरपुर गेट से प्रवेश कर पी-04 पार्किंग में अपने वाहन खड़े कर सकेंगे।

बाहरी जिलों के मालवाहक वाहनों के लिए डायवर्जन

कार्यक्रम के दौरान कई मार्गों पर मालवाहक वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। गोपालगढ़ से जेवर जाने वाले वाहन टप्पल की ओर भेजे जाएंगे। खुर्जा से जेवर आने वाले कमर्शियल वाहन खुर्जा से ही डायवर्ट होंगे। सिकंदराबाद और काकोड से आने वाले वाहन चचुरा नहर पुल से खैलरी की ओर भेजे जाएंगे। आगरा से आने वाले वाहन जेवर टोल से पहले यू-टर्न लेकर अलीगढ़-टप्पल मार्ग से जाएंगे।

नोएडा एक्सपोर्ट को मिलेगी सीधी उड़ान, 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी

- अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों तक आसान होगा व्यापार
- वेस्ट यूपी समेत उत्तराखंड, हरियाणा को भी फायदा

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने के साथ ही गौतमबुद्धनगर की अर्थव्यवस्था में तेज उछाल आने की संभावना है। एक्सपर्ट के अनुसार अगले पांच सालों में जिले की आर्थिक गतिविधियों में लगभग 15 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। वर्तमान में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना सिटी से करीब 94,272 करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट विदेशी बाजारों में होता है। जिसमें लगभग 40 प्रतिशत एक्सपोर्ट हवाई मार्ग से है। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद उद्योगों और व्यापारियों को सीधे वैश्विक बाजारों से कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे एक्सपोर्ट और निवेश दोनों बढ़ेंगे। एयरपोर्ट चालू होने के बाद नोएडा-ग्रेटर नोएडा के उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। यहां से निर्यात मुख्य रूप से अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, यूके, नीदरलैंड, यूएई, सऊदी अरब, सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में होता है। इसके अलावा देश के प्रमुख शहरों मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद समेत करीब 45 शहरों से हवाई कार्गो कनेक्टिविटी स्थापित होने की संभावना है। बता दे जेवर एयरपोर्ट को उत्तर भारत का बड़ा एयर कार्गो और लॉजिस्टिक हब होगा।

राज्य सरकार ने यहां अत्याधुनिक कार्गो कैंपस और एयर कैटरिंग यूनिट विकसित करने के लिए करीब 4,458 करोड़ रुपए के निवेश का समझौता किया है। यह परियोजना इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और कृषि उत्पादों के निर्यात को गति देगी। शुरुआती चरण में कार्गो क्षमता एक लाख टन से अधिक रहने की संभावना है, जिसे भविष्य में मांग के अनुसार बढ़ाया जाएगा। वहीं, एयरपोर्ट के शुरू होने के बाद केवल नोएडा-ग्रेटर नोएडा ही नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड के उद्योगों का भी बड़ा हिस्सा यहां से निर्यात करना शुरू करेगा। अनुमान है कि अगले दो से तीन सालों में करीब 15 से 20 प्रतिशत एयर निर्यात जेवर एयरपोर्ट पर शिफ्ट हो सकता है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा पहले से ही उत्तर भारत का सबसे बड़ा अपैरल निर्यात हब माने जाते हैं। इसे ओडीओपी में भी शामिल किया गया है। यहां से अभी करीब 55 हजार करोड़ रुपए का रेडीमेड गारमेंट्स निर्यात होता है। यमुना सिटी में 175 एकड़ में नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर विकसित किया जा रहा है, जहां करीब 150 से अधिक वस्त्र उद्योग स्थापित होंगे। इसके बाद आगामी वर्षों में अपैरल निर्यात 55 हजार करोड़ से बढ़कर लगभग 90 हजार करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 27 MARCH 2026

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : पश्चिमी उत्तर प्रदेश की आर्थिक क्रांति का इंजन

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के शुरू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में नई उड़ान भरेगी। यह एयरपोर्ट न सिर्फ यात्री सुविधा बल्कि मल्टी-मॉडल कार्गो हब के रूप में परंपरागत खेती पर आधारित किसानों की किस्मत बदलने वाला गेम चेंजर साबित होगा। अनुमान है कि इससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में 15 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हो सकती है, जबकि कृषि निर्यात और किसानों की आय में उल्लेखनीय सुधार होगा।

■ जेवर एयरपोर्ट से परंपरागत खेती को विश्व बाजार का सहारा
■ किसानों की आय में 20-30 प्रतिशत की संभावित वृद्धि
■ कार्गो हब से फल-सब्जी-डेयरी निर्यात में उछाल

परंपरागत खेती को मिलेगा नया आयाम : फार्म-टू-ग्लोबल मार्केट मॉडल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की परंपरागत खेती मुख्य रूप से गन्ना, गेहूं, आलू, प्याज, आम, सब्जियां, फूल और डेयरी उत्पादों पर निर्भर है। इनमें से अधिकांश पेरिशेबल (जल्द खराब होने वाले) उत्पाद हैं, जिन्हें पहले सड़क या रेल मार्ग से भेजने में काफी समय लगता था और पोस्ट-हार्वेस्ट लॉस (फसल कटाई के बाद नुकसान) 20-40 प्रतिशत तक पहुंच जाता था। जेवर एयरपोर्ट के कार्गो हब से यह समस्या हल हो जाएगी। यहां कोल्ड चेन सुविधा, पैक हाउस और गामा इरेडिएशन यूनिट के साथ एग्री-एक्सपोर्ट हब (50 एकड़ का प्रस्तावित हब) बनाया जा रहा है। इससे किसान सीधे मिडिल ईस्ट, यूरोप, रूस और अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक अपने उत्पाद पहुंचा सकेंगे। यीडा (यमुना एक्सप्रेस वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) के प्लान के तहत यह हब फल, सब्जी, प्रोसेस्ड फूड और डेयरी उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देगा।

एयर इंडिया एसएटीएस द्वारा विकसित 30 एकड़ के मल्टी-मॉडल कार्गो हब में प्रारंभिक

क्षमता 2.5 लाख मीट्रिक टन वार्षिक होगी, जो बाद में 25 लाख टन तक बढ़ाई जा सकेगी। इससे किसानों को बेहतर कीमत मिलेगी, क्योंकि ट्रांजिट टाइम कम होने से उत्पाद ताजा रहेंगे और लॉजिस्टिक्स खर्च घटेगा।

कार्गो सुविधा से किसानों की आय में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा जैसे जिलों के किसान अब अपने आम, आलू, फूल और दूध उत्पादों को सीधे विदेश भेज सकेंगे। पहले इन उत्पादों को दिल्ली एयरपोर्ट या मुंबई/दिल्ली पोर्ट तक ले जाना पड़ता था, जिससे समय और लागत दोनों बढ़ जाती थी।

पश्चिमी यूपी के 8-10 जिलों का नया चेहरा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रभाव मुख्य रूप से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लगभग 8-10 जिलों पर पड़ेगा। इनमें गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, मेरठ, गाजियाबाद, हाथरस, मुरादाबाद और आसपास के क्षेत्र शामिल हैं।

प्रत्यक्ष प्रभाव : गौतमबुद्धनगर और बुलंदशहर जैसे निकटवर्ती जिलों में औद्योगिक विकास, रियल एस्टेट और रोजगार में उछाल।

अप्रत्यक्ष प्रभाव : मेरठ, अलीगढ़ और मथुरा-वृंदावन जैसे पर्यटन-कृषि क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी से निर्यात और पर्यटन दोनों बढ़ेंगे।

कुल मिलाकर, यूपी-एनसीआर बेल्ट की 10 जिलों की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। लगभग 1 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है।

प्रोसेसिंग और पैकेजिंग की सुविधा से छोटे किसान भी निर्यातक बन सकेंगे

सरकार का प्लान है कि इससे न सिर्फ कृषि उत्पादकता बढ़ेगी बल्कि फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री भी विकसित होगी। एयर इंडिया एसएटीएस का 4,458 करोड़ रुपए का निवेश कार्गो कैंपस और एयर कैटरिंग किचन में हो रहा है, जो कृषि-आधारित उद्योगों को और मजबूती देगा।

पश्चिमी यूपी बनेगा नॉर्थ इंडिया का लॉजिस्टिक्स हब

एयरपोर्ट का कार्गो टर्मिनल इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि उत्पादों के एक्सपोर्ट-इंपोर्ट का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे क्षेत्र की सप्लाई चेन दक्षता बढ़ेगी और यूपी भारत के एक्सपोर्ट इकोनॉमी में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

पहले चरण में 1.2 करोड़ यात्री क्षमता के साथ कार्गो सेवाएं भी शुरू होंगी। विशेषज्ञों के अनुसार, यह एयरपोर्ट पश्चिमी यूपी, हरियाणा और राजस्थान के किसानों-व्यापारियों को सीधा लाभ पहुंचाएगा। यमुना एक्सप्रेस वे और प्रस्तावित ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी कॉरिडोर से लॉजिस्टिक्स और तेज होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट सिर्फ एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों, व्यापारियों और युवाओं के लिए आर्थिक विकास का नया द्वार है। परंपरागत खेती अब वैश्विक बाजार से जुड़कर नई ऊंचाइयों को छू सकेगी। 28 मार्च को प्रस्तावित उद्घाटन के साथ यह सपना हकीकत बनने जा रहा है, जो यूपी को 'वन स्टेट, फाइव इंटरनेशनल एयरपोर्ट' वाला देश का पहला राज्य बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 27 MARCH 2026

जेवर एयरपोर्ट इफेक्ट

2027 तक प्रॉपर्टी कीमतों में 28 फीसदी उछाल संभव

■ स्क्वायर याड्‌र्स रिपोर्ट : यमुना एक्सप्रेस वे कॉरिडोर बन रहा एनसीआर का नया रियल एस्टेट हॉटस्पॉट

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शुरू होने से नोएडा और यमुना एक्सप्रेस वे क्षेत्र में रियल एस्टेट बाजार में तेज उछाल देखने को मिल रहा है। ऑनलाइन प्रॉपटेक कंपनी स्क्वायर याड्‌र्स की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2027 तक इस क्षेत्र में प्लॉट की कीमतों में लगभग 28 फीसदी और अपार्टमेंट की कीमतों में करीब 22 फीसदी तक बढ़ोतरी की संभावना है।

पिछले पांच साल में तेज उछाल

'रनवे टू रियल्टी : कैसे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट रियल एस्टेट को नया रूप दे रहा है' शीर्षक वाली रिपोर्ट बताती है कि 2020 से 2025 के बीच यमुना एक्सप्रेस वे कॉरिडोर के आसपास हाउसिंग मार्केट में उल्लेखनीय तेजी आई है।

अपार्टमेंट की कीमतें लगभग तीन गुना तक बढ़ीं, प्लॉट की कीमतों में औसतन 1.5 गुना वृद्धि, कुछ माइक्रो-मार्केट में 5 गुना तक उछाल। यह बढ़ोत्तरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेशकों के बढ़ते भरोसे का संकेत मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 28 मार्च 2026 को उद्घाटन के लिए तैयार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में शामिल है। अपने अंतिम चरण में यह एयरपोर्ट सालाना लगभग 225 मिलियन यात्रियों की क्षमता वाला एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

एयरोट्रोपोलिस मॉडल से बदलेगा क्षेत्र का स्वरूप

रिपोर्ट के अनुसार, जेवर क्षेत्र को एयरोट्रोपोलिस (एयरपोर्ट आधारित शहर) मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, जो वाणिज्यिक, औद्योगिक, लॉजिस्टिक्स और आवासीय क्षेत्रों को एकीकृत करेगा। यह मॉडल नीदरलैंड के सिचफिल एयरपोर्ट जैसे वैश्विक उदाहरणों से प्रेरित है।

रियल एस्टेट में संरचनात्मक बदलाव

स्क्वायर याड्‌र्स के फाउंडर और सीईओ तनुज शोरी के अनुसार, नोएडा का रियल एस्टेट बाजार अब स्थानीय जरूरतों से आगे बढ़कर वैश्विक निवेश के नजरिये से विकसित हो रहा है। वहीं रिसर्च एंड इनसाइट्स की वाइस प्रेसिडेंट सुनीता मिश्रा का कहना है कि एयरपोर्ट प्रोजेक्ट की प्रगति ने बाजार की धारणा को बदल दिया है और डेवलपर्स तेजी से नए प्रोजेक्ट लॉन्च कर रहे हैं।

निवेश का उभरता केंद्र बनेगा यमुना एक्सप्रेस वे

रिपोर्ट के मुताबिक, बेहतर कनेक्टिविटी, औद्योगिक क्लस्टर, लॉजिस्टिक्स हब और मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के कारण यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र आने वाले वर्षों में एनसीआर का प्रमुख निवेश गंतव्य बन सकता है।

कुल मिलाकर, जेवर एयरपोर्ट के संचालन के साथ ही इस क्षेत्र में रियल एस्टेट विकास का नया दौर शुरू होने की संभावना जताई गई है, जिससे नोएडा और आसपास के इलाकों की आर्थिक गतिविधियों को बड़ा बढ़ावा मिल सकता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 27 MARCH 2026

एयरपोर्ट से विकास व राष्ट्र निर्माण 2047 विकसित भारत की ओर होगा अग्रसर : पंकज चौधरी

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर एयरपोर्ट पर व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित की गई, बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार कुंवर बृजेश सिंह, प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंशी, प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर, पश्चिमी क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशोदिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद डॉ. महेश शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष व नोएडा विधायक पंकज सिंह, क्षेत्रीय महामंत्री ठाकुर हरीश सिंह, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, एमएलसी श्रीचन्द शर्मा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, विधायक तेजपाल नागर एवं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है, जिसका उद्घाटन विश्व के सबसे बड़े नेता देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे, उद्घाटन समारोह के साथ एक विशाल ऐतिहासिक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

यह ऐतिहासिक अवसर देश प्रदेश और क्षेत्र के विकास की दिशा में एक नई ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक होगा। एयरपोर्ट के संचालन से विदेशी निवेश बढ़ेगा लोगों को रोजगार मिलेगा। इस एयरपोर्ट से विकास व राष्ट्र निर्माण 2047 विकसित भारत की ओर अग्रसर होगा। हम सब कार्यकर्ताओं को सभी के साथ समन्वय कर कार्यक्रम को व्यवस्थित सफल एवं भव्य बनाना है जनसभा में शामिल होने वाले लोगों को कोई असुविधा न हो और ऐतिहासिक जनसभा के साथ आगामी प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक बड़ा मंच तैयार करना। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि जनसभा में लोग बसों से आएंगे बसे 9-30 बजे तक पहुंच जाए, उसके लिए बस प्रमुख बस प्रभारियों को विशेष रूप से निर्देशित करे जनसभा को हम सभी कार्यकर्ताओं ने जनता के साथ मिलकर दिव्य व भव्य आयोजन करना है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान बुलंदशहर अध्यक्ष विकास चौहान, आशीष वत्स, प्रणीत भाटी, वीरेन्द्र भाटी, धर्मेन्द्र भाटी, धर्मन्द्र कोरी, दीपक भारद्वाज, अरुण प्रधान, विकास चौधरी, कर्मवीर आर्य, देवा भाटी, मनोज चौधरी आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 27 MARCH 2026

वायुसेना ने किया पूर्वाभ्यास, सीएम करेंगे व्यवस्थाओं की समीक्षा, प्रशासन सतर्क

- 28 मार्च को इतिहास रचेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट
- पीएम करेंगे लोकार्पण, तैयारियां अंतिम चरण में

ग्रेटर नोएडा, 26 मार्च (देशबन्धु)। बहुप्रतीक्षित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। प्रशासनिक अधिकारी दिन-रात एयरपोर्ट परिसर में मौजूद रहकर हर व्यवस्था को समयबद्ध पूरा कराने में जुटे हैं। कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए सुरक्षा, यातायात, जनसभा स्थल और वीवीआईपी प्रोटोकॉल से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

28 मार्च सुबह 11:30 बजे पीएम करेंगे उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को सुबह लगभग 11:30 बजे एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का निरीक्षण करने के बाद इसका औपचारिक लोकार्पण करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे प्रधानमंत्री विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं।

वायुसेना के विमानों ने किया ट्रायल रन

गुरुवार को एयरपोर्ट परिसर में भारतीय वायुसेना के विमान उतरे और उन्होंने पूर्वाभ्यास किया। पायलटों और सुरक्षा एजेंसियों ने लैंडिंग एरिया, जनसभा स्थल और आसपास के माहौल का जायजा लिया। यह अभ्यास प्रधानमंत्री के आगमन से पहले सुरक्षा और तकनीकी व्यवस्थाओं को परखने के लिए किया गया।

सीएम योगी शुक्रवार शाम कर सकते हैं समीक्षा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ शुक्रवार शाम ग्रेटर नोएडा पहुंच सकते हैं। वह एयरपोर्ट साइट का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा करेंगे। संभावना है कि मुख्यमंत्री का रात्रि प्रवास गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में हो सकता है।

अधिकारियों ने संभाली कमान, रात में भी चल रही बैठकें

जिलाधिकारी मेधा रूपम, यीडा के सीईओ राकेश कुमार सिंह तथा नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया लगातार तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। देर रात तक एयरपोर्ट सभागार में बैठकों का दौर जारी है, ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की कमी न रह जाए। डीएम ने स्वयं कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

स्थानीय जनप्रतिनिधि भी कर रहे निगरानी

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी एयरपोर्ट परिसर में डेरा डाले हुए हैं। वह क्षेत्र के लोगों के साथ बैठक कर जनसभा की तैयारियों और व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं।

सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं पर विशेष फोकस

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। यातायात प्रबंधन, पार्किंग, मंच निर्माण, जनसभा स्थल की सजावट और आम जनता की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अलग-अलग टीमों को जिम्मेदारी दी गई है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण क्षेत्र के विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने वाला माना जा रहा है। प्रशासन का लक्ष्य है कि यह कार्यक्रम सुव्यवस्थित और यादगार बने।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 27 MARCH 2026

नोएडा एयरपोर्ट का कल लोकार्पण करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

जासं, जेवर: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे जेवर स्थित नोएडा एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। लोकार्पण के बाद पीएम जनसभा को भी संबोधित करेंगे, जिसमें गौतमबुद्ध नगर सहित आसपास के सात जिलों से करीब दो लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है।

मोदी हेलीपैड से सीधे यात्री टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश करेंगे। फिर छोटे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद टर्मिनल बिल्डिंग में ऊपर बनी पद्मश्री से सम्मानित चित्रकार परेश मैती की 100 फीट चौड़ी पेंटिंग का अनावरण करेंगे। टर्मिनल भ्रमण के बाद टर्मिनल बिल्डिंग के मुख्य द्वार पर बने मंच पर पहुंचकर एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। पहले चरण में 2027 तक 1.2 करोड़ यात्री क्षमता के साथ यह एयरपोर्ट काम करेगा। संबंधित >> पेज 6

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 27 MARCH 2026

विकास की नई उड़ान को तैयार नोएडा एयरपोर्ट

एक रनवे के साथ शुरू होगा एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट, पांच हजार हेक्टेयर क्षेत्र में है फैला

7 करोड़ प्रति वर्ष यात्रियों को सेवा देगा दो रनवे संग, कैट तीन व कोड एफ एयरपोर्ट की खासियत

4100 मीटर का दूसरा रनवे पहले रनवे के समानांतर बनाया जाएगा

38 मीटर ऊंचा आठ मंजिला बनाया गया है एयरपोर्ट के एटीसी टावर को

10.8 मेगावाट का पवन ऊर्जा व 13 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट का 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकार्पण करेंगे। दो स्टेज में विकसित होने वाले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहली स्टेज चार चरण में है। चारों चरण 2040 तक पूरा होने के साथ एयरपोर्ट से प्रति वर्ष सात करोड़ यात्री भारत के विभिन्न शहरों और दुनिया के सैकड़ों देशों के लिए सफर करेंगे। नोएडा एयरपोर्ट की दूसरी स्टेज पूरी होने के साथ यह एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट के तौर पर अपनी पहचान स्थापित कर लेगा। पांचों रनवे के साथ इसकी यात्री क्षमता 22.50 करोड़ यात्री प्रति वर्ष हो जाएगी। शून्य कार्बन उत्सर्जन एयरपोर्ट के लिए नोएडा एयरपोर्ट अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा जरूरत को सौर व पवन ऊर्जा से पूरी करेगा। पांच हजार हेक्टेयर में फैले एविएशन हब की पहली स्टेज 1334 हेक्टेयर में विकसित हुई है। पहले रनवे के साथ इसकी शुरुआत होने जा रही है। कैट तीन और कोड एफ नोएडा एयरपोर्ट की कई खासियत हैं। नोएडा एयरपोर्ट का पहला रनवे 3900 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा है। इस पर विमान दोनों साइड से टेकआफ और लैंडिंग कर सकते हैं। एयरपोर्ट पर 10 एयरोब्रिज हैं। एयरपोर्ट पर यात्रियों को बोर्डिंग करने में कम से कम समय लगेगा। दूसरा रनवे 4100 मीटर का पहले रनवे के समानांतर होगा। एयरपोर्ट के एटीसी टावर को 38 मीटर ऊंचा आठ मंजिला बनाया गया है। नोएडा एयरपोर्ट शून्य कार्बन उत्सर्जन एयरपोर्ट के रूप में विकसित किया गया है।

एयरपोर्ट परिसर में वाहनों का कार्बन उत्सर्जन शून्य रखने के लिए केवल ईवी का ही संचालन होगा। एयरपोर्ट की कुल ऊर्जा जरूरत का 50 प्रतिशत सौर व पवन ऊर्जा से पूरा किया जाएगा। टाटा पावर ने एयरपोर्ट परिसर में 10.8 मेगावाट क्षमता का पवन ऊर्जा और 13 मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बने टर्मिनल की बिल्डिंग ● जागरण

वर्ष 2070 तक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पांचों रनवे कर लिए जाएंगे तैयार

एयरपोर्ट चार चरण में बनना है। पहले चरण में 2027 तक 1.2 करोड़ यात्री क्षमता के साथ एयरपोर्ट काम करेगा। 80 प्रतिशत यात्री क्षमता पूरी होने पर दूसरा चरण होगा। 2032 तक 3 करोड़ यात्री क्षमता हो जाएगी। 2037 तक पांच करोड़ यात्री क्षमता और 2040 तक 7 करोड़ यात्री क्षमता होगी। डीपीआर में चरण में एयरपोर्ट की कुल लागत 29561 आंकी गई थी। 2042 के बाद तीसरे रनवे का निर्माण शुरू होगा। 2070 तक एयरपोर्ट के पांचों रनवे तैयार हो जाएंगे। इसके साथ ही यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा और इसकी यात्री क्षमता 22.5 करोड़ यात्री प्रति वर्ष हो जाएगी।

कैट तीन और कोड एफ

नोएडा एयरपोर्ट कैट तीन व कोड एफ कैटेगरी का है। यानि बड़े से बड़े और भारी एयरक्राफ्ट आसानी से उतर और उड़ान भर सकते है। बोइंग और एयरबस जैसे एयरक्राफ्ट को संभालने के लिए पूरी तरह सक्षम है। कैट तीन से लैस होने के कारण बेहद कम दृश्यता या प्रतिकूल मौसम में भी आसानी से विमान उतर व उड़ान भर सकेंगे।

सड़क व रेल कनेक्टविटी

देश में पहला ऐसा एयरपोर्ट है जिसकी सड़क और रेल कनेक्टिविटी है। नोएडा एयरपोर्ट यमुना एक्सप्रेसवे संग गंगा एक्सप्रेसवे, दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे, ईपीई के अलावा नमो भारत रैपिड रेल, दिल्ली वाराणसी हाई स्पीड रेल के अलावा अर्बिटल रेल और रुंधी से चोला के बीच प्रस्तावित नए रेलवे लिंक से जुड़ा होगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 26 MARCH 2026

100 नए एयरपोर्ट और 200 हेलीपैड के लिए सरकार ने खोला खजाना

मोदी कैबिनेट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्लीः दूरदराज के गांव, पहाड़ी इलाके और देश के दूरस्थ द्वीपों को अब हवाई सफर से सीधे जोड़ने की एक बड़ी योजना रफ्तार पकड़ने जा रही है। इस योजना से आम नागरिक को सस्ती और आसान हवाई यात्रा मिलेगी, टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन व व्यापार को नई रफ्तार मिलेगी। सरकार ने इस बड़े बदलाव के लिए 28,840 करोड़ रुपये का भारी निवेश करने का फैसला किया है। इसके तहत 100 नए हवाई अड्डे और 200 हेलीपैड विकसित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने बुधवार को संशोधित उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना को मंजूरी दे दी। यह नई योजना अगले 10 वर्षों (2026-27 से 2035-36) में देश की क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को पूरी तरह बदलने वाली है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को बताया कि इन हवाई अड्डों के विकास के लिए राज्य सरकारों के सहयोग से लगभग 12,159 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस नई योजना के तहत देशभर में 100 नए हवाई अड्डे विकसित किए जाएंगे। इनमें बहुत से हवाई अड्डे उन एयरस्ट्रिप पर बनेंगे जो लंबे समय से अनुपयोगी पड़े हुए हैं। योजना में 200 आधुनिक हेलीपैड बनाने का भी प्रविधान है, खासकर प्राथमिकता वाले और आकांक्षी जिलों में। प्रत्येक हेलीपैड पर औसतन 15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सरकार ने तय किए नए लक्ष्य

जाब्यू, नई दिल्लीः जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और वैश्विक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए देश ने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के नए लक्ष्य को मंजूरी दी है। इसके तहत 2035 तक देश में 400 करोड़ टन कार्बन सिंक का निर्माण करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही उत्सर्जन तीव्रता को भी 2035 तक 2005 की जीडीपी की तुलना में 47 प्रतिशत कम करने और 60 प्रतिशत अपनी ऊर्जा मांग को भी गैर-जीवाश्म ईंधन से पूरा करने का संकल्प लिया है। कार्बन सिंक प्राकृतिक या कृत्रिम उपाय है, जिसके जरिये वायुमंडल के कार्बन को अवशोषित किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में एनडीसी के नए लक्ष्यों को मंजूरी की गई है। साथ ही पिछले एनडीसी लक्ष्यों को लेकर हुई प्रगति को भी सराहा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत भारत ने 2031 से 2035 तक के लिए अपने नए लक्ष्य तय किए हैं।

THE ECONOMIC TIMES DELHI 27 MARCH 2026

Noida Realty Poised for Takeoff with Airport

Faizan Haidar

New Delhi: Opening of Noida International Airport is expected to draw multinational, local companies to the satellite city of the National Capital Region, boosting demand for Grade-A office space and luxury housing, experts said.

They project Grade-A office leasing in Noida to be 2-3 million sq ft annually—about a quarter of the Delhi-NCR activity—from this year, with multiple upcoming infrastructure projects that would improve connectivity with Gurugram and Delhi also stimulating demand.

"The residential market of select micro-markets of Noida, such as Yamuna Expressway, Greater Noida and localities along the Noida Expressway, stands to gain traction, especially in the middle-income and luxury segments," said Vimal Nadar, national director and head of research at Colliers India.

Noida has delivered nearly five times returns over the past six years in some of its micro-markets, driven by infrastructure expansion, policy support and rising user demand.

According to InvestoXpert Advisors, Yamuna Expressway has emerged as NCR's strongest real estate corridor, with prices of apartments rising 158% (₹3,950 to ₹10,200 per sq ft) during 2020–2025 and of plots surging 536% (₹1,650 to ₹10,500 per sq ft).

"With aviation-linked industries, logistics parks, data centres and Film City taking shape, the region is evolving into a residential and commercial hub," said Vishal Raheja, founder and managing director of InvestoXpert. "As the airport becomes operational, the market is shifting from speculative momentum to fundamentals-led growth, driven by industrial activity, logistics demand and job creation that strengthen absorption, rental yields and liquidity."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 27 MARCH 2026

Jewar airport poised for takeoff, commercial flights from late April

Lower fuel tax, fresh capacity to shape airline network shifts

YARUQHULLAH KHAN
New Delhi, March 26

NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT, which is scheduled to be inaugurated by Prime Minister Narendra Modi on March 28, will begin commercial operations in late April or early May, with airlines initially connecting the National Capital Region to key domestic destinations such as Mumbai, Bengaluru and Hyderabad before widening the network.

The ₹11,200 crore project, developed under a public-private partnership model, marks the first operational phase of what is positioned as a second aviation gateway for the Delhi region. While the formal launch takes place this week, airport executives said a short transition window will allow airlines to finalise schedules, deploy ground equipment and open bookings.

"This transition period allows airlines approximately 45 to 60 days to finalise flight schedules, move ground equipment, and open ticket bookings," a senior airport executive said.

The airport, developed by Yamuna International Airport, a subsidiary of Zurich Airport International AG, received its aerodrome licence from the Directorate General of Civil Aviation earlier this month, clearing a key regulatory milestone ahead of operations.

Initial traffic is expected to start with around 30 flights a day, scaling up to about 65 daily departures over the next few months. IndiGo, Akasa Air and Air India Express are among the early carriers that have confirmed plans to operate from the airport. Executives said the first phase will prioritise domestic routes, with cities such as Lucknow, Dehradun and Hubli also on the radar.

A view of the newly constructed Noida International Airport, ahead of its inauguration, on Thursday PTI

International operations will follow only after domestic services stabilise and the airport transitions to full 24-hour operations. "Domestic operations will initially focus on connecting the NCR to major cities...with additional routes planned," the executive said, adding that overseas routes such as Dubai and Singapore are under consideration at a later stage.

Built with an initial passenger capacity of 12 million annually, the airport is designed to scale up to 70 million passengers per year over subsequent phases.

The first phase includes a 3,900-metre runway capable of handling wide-body aircraft, along with modern navigation systems, including an instrument landing system, and advanced airfield lighting for all-weather, round-the-clock operations.

Beyond passenger traffic, the airport has been planned with a strong cargo focus. It includes a multi-modal cargo hub with an integrated terminal and logistics zones, designed to handle over 250,000 metric tonnes annually, expandable to 1.8 million metric tonnes. A dedicated 40-acre maintenance, repair and overhaul facility is also part of the ecosystem.

The project is being pitched as a cost-efficient alternative for airlines operating in the region. With aviation turbine fuel attracting about 4% VAT in Uttar Pradesh compared with 25% in Delhi, industry executives expect carriers to factor in fuel savings while allocating capacity. Given that fuel accounts for roughly 40% of airline operating costs, the differential could influence network strategies.

Strategically located along the Yamuna Expressway, the airport is being developed as a multi-modal transport hub with road, rail and metro connectivity. Its design blends modern infrastructure with elements inspired by Indian heritage, while the operator has committed to running it as a net-zero emissions facility through energy-efficient systems.

The airport is expected to gradually position itself as an alternate domestic and international hub for the Delhi NCR, easing congestion at the capital's existing airport while opening up fresh capacity for airlines.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 26 MARCH 2026

27 years later, farmers win big in Surat airport land case

FPJ News Service
SURAT

In a historic judgment that could reshape land acquisition disputes across Gujarat, the Gujarat High Court has delivered long-awaited relief to farmers of Magdalla village, nearly 27 years after their land was acquired for the expansion of Surat Airport. The ruling has sparked a wave of celebration among affected families, who had been battling for fair compensation for decades.

In a strong rebuke to the authorities, the High Court quashed the earlier decision of the Land Acquisition Officer, who had rejected farmers' claims under Section 28(A) of the Land Acquisition Act on technical grounds. The court has now directed the officials to reconsider all applications within eight weeks, effectively reopening the door for enhanced compensation.

"The previous decision of the Land Acquisition Officer is not legally sustainable. The applications must be reconsidered promptly within the framework of law," observed Justice Divyesh A. Joshi while delivering the verdict.

The dispute dates back to 1999, when land in Magdalla village was acquired for airport expansion. At the time, compensation was fixed at a mere ₹17 per square metre. However, in subsequent proceedings under Section 18, a civil court significantly enhanced the compensation to ₹203.50 per square metre for some farmers.

Many others, who could not approach the court in time, later sought parity under Section 28(A), which allows similarly placed landowners to claim equal compensation. However, their applications were rejected on the grounds that the dates of notification under Section 4 differed.

Advocate Naseem G. Qadri, who represented the farmers from the civil court to the High Court, termed the verdict a "milestone." He said, "This judgment restores faith in the justice system. Farmers who were denied their rightful dues now have a real chance to receive fair compensation."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 26 MARCH 2026

Dubai International Airport has touched the hearts of travellers after staff handed out small souvenir packs to passengers during recent travel disruptions

Dubai airport wins travellers' hearts

DID U KNOW?

Indian expat Karishma Fernandez said the gifts came at the moment of goodbye, adding comfort and reassurance.

ubai International Airport, widely known as DXB, has touched the hearts of travellers after staff handed out small souvenir packs to passengers during recent travel disruptions. The gesture, though simple, has drawn widespread praise online, with many calling it a true reflection of Dubai's warmth and hospitality. The airport, known for its smooth operations and high-quality passenger experience, introduced the initiative as a way to thank travellers for their patience. The souvenir packs include Dubai-themed magnets, keychains, and a printed note expressing gratitude while reassuring passengers that their safety and wellbeing remain a priority. For many, the gesture turned routine departures into emotional moments. Aya Elbendary, an Egyptian resident who has lived in Dubai since 2017, said she was overwhelmed when she received the gift while leaving for an Eid break. She said the message made her feel seen and valued by the city she now calls home.

नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन को देखते हुए डायवर्जन योजना जारी

ग्रेनो और यमुना एक्सप्रेसवे पर कल मालवाहक वाहन नहीं चलेंगे

नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम के कारण शनिवार सुबह सात से रात 11 बजे तक ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे और कार्यक्रम स्थल के आसपास के मार्गों पर सभी तरह के मालवाहक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। आपातकालीन वाहन आ-जा सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को सुबह लगभग 11:30 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वे टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12 बजे उद्घाटन करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम को देखते हुए रूट डायवर्जन के साथ पार्किंग की भी व्यवस्था भी जारी की गई है। 15 पार्किंग बनाई गई हैं। मेरठ और गाजियाबाद से आने वाले वाहन ईस्टर्न पेरीफेरल होकर सिरसा गोलचक्कर होते हुए सुपरटेक गोलचक्कर से दाएं मुड़ेंगे। यहां से नट मढैया गोलचक्कर से होंडा सीएल चौक (एटीएस) से बाएं घूमकर रनहेरा पुलिस चौकी के सामने बने गेट से पार्किंग (मेरठ पी7 और गाजियाबाद पी छह) में वाहन पार्क कर कार्यक्रम स्थल जा सकेंगे।

व्यावसायिक वाहन इन मार्गों से होते हुए जाएंगे

- जेवर-टप्पल मार्ग पर गोपालगढ़ की ओर से जेवर आने वाले व्यावसायिक वाहनों को वापस टप्पल की ओर डायवर्ट कर दिया जाएगा।
- खुर्जा से जेवर की ओर आने वाले व्यावसायिक वाहनों के मार्ग खुर्जा से बदलेंगे।
- सिकंद्राबाद-ककोड़ से जेवर होते हुए आने वाले व्यावसायिक वाहनों को चचुरा नहर पुल से डायवर्ट किया जाएगा।
- आगरा से आने वाले यातायात को जेवर टोल से पहले बने यूटर्न से आगरा की ओर मोड़ा जाएगा।
- नोएडा-ग्रेनो से यमुना एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर आगरा की ओर से आने वाले वाहन परीचौक से अल्फा कॉमर्शियल गोलचक्कर होते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे होकर गंतव्य को जा सकेंगे।
- मेरठ, हापुड़, गाजियाबाद से ईस्टर्न पेरिफेरल से यमुना एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर आगरा, मथुरा, लखनऊ और अन्य स्थानों को जाने वाले वाहन ईस्टर्न पेरिफेरल के बील अकबरपुर से उतरकर एनएच-91 से जाएंगे।
- पलवल से पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के जरिये ग्रेनो एक्सप्रेसवे होकर जाने वाले वाहनों का सिरसा लूप से उतरना प्रतिबंधित रहेगा।
- अन्य जिलों के वाहन एनएच-24, एनएच-91 और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर नो एंट्री के प्रावधानों के अनुसार गंतव्य को जा सकेंगे।

प्रधानमंत्री की सभा के लिए मंच तैयार

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के लिए मंच बन चुका है। गुरुवार को प्रधानमंत्री के लिए चयनित हेलीपैड पर वायु सेना का हेलीकॉप्टर उतारकर गुणवत्ता को परखा गया।

प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए तैयार पंडाल करीब 200 मीटर लंबी है। यहां आम लोगों समेत वीवीआईपी और वीआईपी के लिए करीब 60 हजार कुर्सियां बिछाई गई हैं। प्रधानमंत्री 28 मार्च को एयरपोर्ट का शुभारंभ और एमआरओ का शिलान्यास करेंगे। वह यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे। दूसरी ओर, कार्यक्रम की तैयारियों को परखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जेवर पहुंच सकते हैं। जिले में ही उनके रात्रि विश्राम की संभावना है।

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 27 MARCH 2026

JEWAR AIRPORT INAUGURATION: GZB SCHOOLS TO REMAIN OPEN

Peeyush Khandelwal
peeyush.khandelwal@htlive.com

GHAZIABAD: The Ghaziabad district administration on Wednesday cancelled its controversial March 24 direction that had ordered schools to hold online classes on March 28 – the inauguration day of the Noida International Airport in Jewar – but offered no clarity on whether the requisition of 800 school buses for the event would proceed.

In an order dated March 25 (Wednesday) addressed to school principals, and released to media on Thursday, district magistrate Ravinder Kumar Mandar stated: "The undersigned is directed to cancel, with immediate effect, the order ... dated March 24, 2026. Consequently, classes in all schools of the district shall be conducted physically on March 28."

The March 24 direction issued by the DM had requisitioned 800 buses from schools to ferry "beneficiaries of government schemes" to the inauguration ceremony of the Noida International Airport and directed that classes in all schools in the district be moved online.

To be sure, the latest order does not address the bus takeover. Calls by HT to Mandar for clarification on the requisition of buses went unanswered.

Ghaziabad chief development officer Abhinav Gopal declined to comment, referring the matter to the transport department. "As per the new order, classes in schools will resume physical mode as before. The arrangement of buses will be handled differently. The transport department will look after the issue of buses," said OP Yadav, the district's basic education officer.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 27 MARCH 2026

Inside images of the airport in Jewar. PHOTO COURTESY: NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT

Ready to take off

Prime Minister to inaugurate first phase of Noida International Airport in Jewar tomorrow, a significant milestone in India's aviation ambitions

Neetika Jha
Noida, March 26

PRIME MINISTER Narendra Modi will inaugurate Phase 1 of Noida International Airport in Jewar on Saturday, the second international airport of the Delhi-NCR region, which will also serve parts of Western Uttar Pradesh.

An investment of Rs 11,200 crore has been made in Phase 1 of the project, which is being developed under a Public-Private Partnership (PPP) model.

As per a release issued by the Prime Minister's Office on Thursday, the PM will undertake a walkthrough of the terminal building at 11.30 am, followed by the inauguration at noon. He will also address the public on the occasion, the release said.

The airport is coming up on 1,334 hectares of land adjacent to the Yamuna Expressway, about 40 km from Pari Chowk in Greater Noida. The airport received security approval from the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS) earlier this month. Flights are expected to begin soon, even though no official timeline has been announced yet.

Noida Airport officials said the design of the airport is inspired by the culture and heritage of UP, Uttarakhand, and Rajasthan. "Local materials and limestone calcined clay cement has been used in the construction, and the Noida International Airport aspires to operate at carbon net zero," officials told *The Indian Express* on Thursday.

The most striking feature of the terminal building is its roof, says an official document – "a sweeping, translucent white canopy that rises and falls gently" like the waves of the Yamuna, Ganga and Hindon rivers.

"The simple layout of the terminal will ensure ease of operations, efficient flows and intuitive wayfinding," officials from the design team said. Noida International Airport Chief Executive Officer Christoph Schnellmann had said earlier: "This world-class airport will combine Swiss efficiency and Indian hospitality to offer rich experiences and comprehensive commercial attractions and services to its passengers."

According to the official document, red stone has been used in the floor of the check-in hall, which features ornamental lattice (jali) screens that allow natural light and ventilation. Airport officials said Terminal T1 covers an area of approximately 1,38,000 square metres. "By the time Phase 4 is complete, the combined terminal footprint will approach 5,00,000 sq m," says the document.

This airport has been positioned as the gateway to some of India's most spiritually and culturally significant destinations including the Taj Mahal, the Kumbh Mela sites, the Buddhist sites of Shravasti and Kushinagar, and the towns of Mathura and Vrindavan.

The airport will initially have a passenger handling capacity of 12 million passengers per annum, which is expected to be scaled up to 70 million passengers per annum upon full development. The first runway, 3,900 metres long and 45 metres wide, will be capable of handling wide-body aircraft, and will have all modern navigation systems and advanced airfield lighting for all-weather operations.

The cargo hub at the airport spans 80 acres of land, and is expected to provide quick, convenient, intermodal connectivity to manufacturing hubs in the country. It is designed to handle more than 2.5 lakh metric tonnes of cargo annually, expandable to around 18 lakh metric tonnes, and includes a dedicated 40-acre Maintenance, Repair, and Overhaul (MRO) facility, an official release said.

Officials said the airport has been designed as a sustainable and future-ready infrastructure project that integrates energy-efficient systems and environmentally responsible practices. It "marks a significant milestone in India's journey towards becoming a global aviation hub", says the PMO release. The airport was commissioned in 2021 to lighten the existing passenger load on Delhi's IGI Airport, which handled nearly 8 crore fliers in 2024.

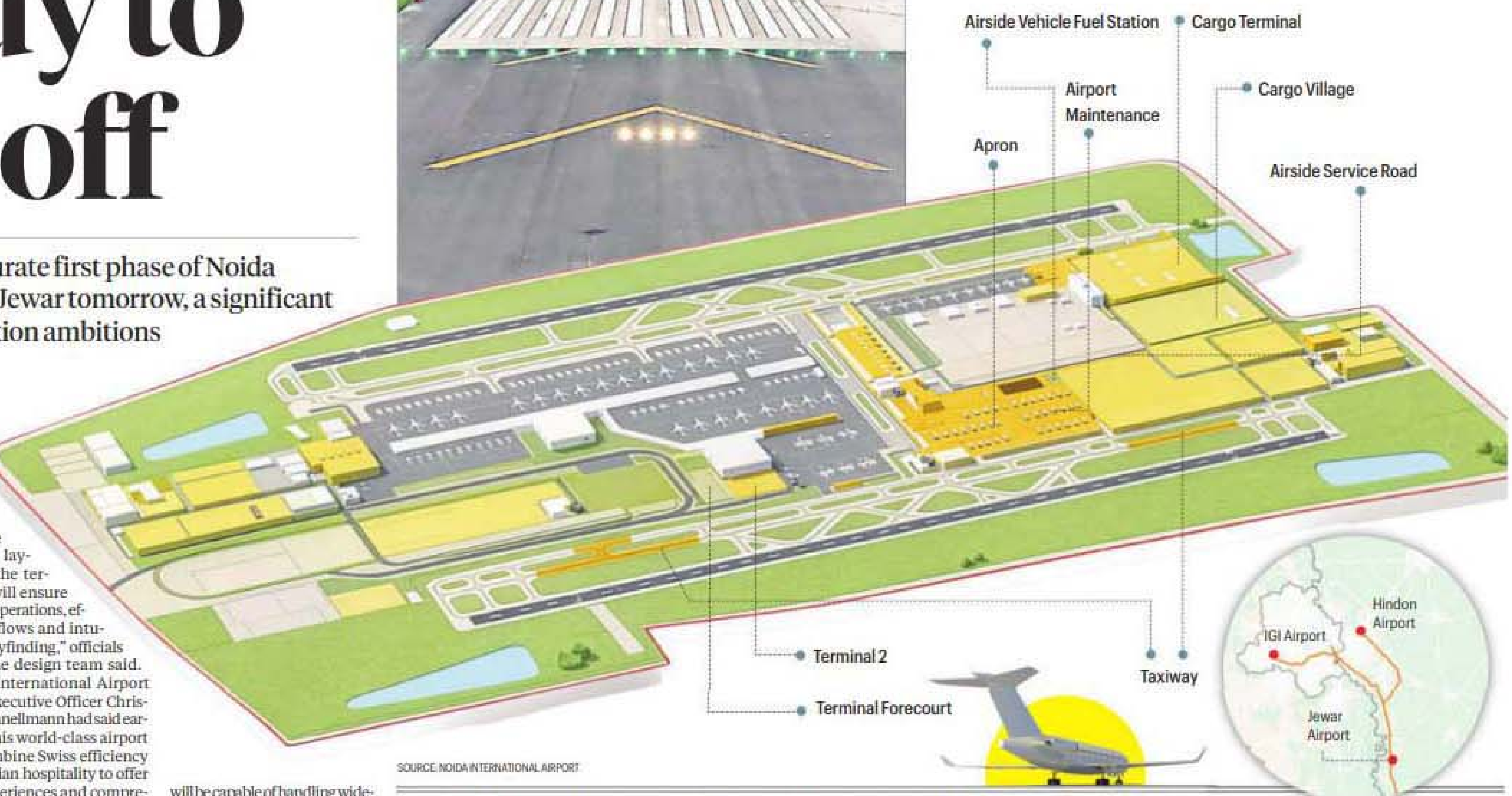

SOURCE: NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT

NOIDA AIRPORT PHASE 1 vs PHASE 4, LIKELY TO BE LAUNCHED BY 2040

	PHASE 1	PHASE 4
PASSENGER CAPACITY	12 million Passengers per year	70 million Passengers per year
CARGO CAPACITY	12 million Passengers per year	70 million Passengers per year
RUNWAY LENGTH	3,900m North Runway	3,900m North Runway; 4,150m South Runway
TERMINAL BUILDING	Terminal T1: 1,38,000 Square metre	Terminals T1 and T2: 5,00,000 Square metre

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 27 MARCH 2026

नई उड़ान पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, सबसे अधिक इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला राज्य बना यूपी

नोएडा एयरपोर्ट से यूपी बनाएगा इतिहास

- मील का पत्थर साबित होगा एनसीआर का यह एयरपोर्ट

नई दिल्ली, लोकसत्य।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नवनिर्मित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे । यह हवाई अड्डा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है। यह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पूरक के रूप में कार्य करेगा।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को सड़क, रेल, मेट्रो और क्षेत्रीय परिवहन प्रणालियों के निर्बाध जुड़ाव के साथ बहु-मोडल परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है ।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट: क्या है पूरी तैयारी

5000 एकड़ के क्षेत्रफल में फैला है एयरपोर्ट

2021 में रखी गई नींव

क्या होगा एयरपोर्ट का कोड **DXN**

04 टर्मिनल बनाने की योजना 2050 तक

1.2 करोड़ यात्रियों की होगी सालाना क्षमता

हवाई अड्डे में एक बहु-मोडल कार्गो हब भी शामिल है, जिसे प्रति वर्ष 2.5 लाख मीट्रिक टन से अधिक माल ढुलाई के लिए तैयार किया गया है, इस क्षमता को लगभग 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकता है।

- **यह रहेगी वार्षिक यात्री क्षमता:** आरंभ में इस हवाई अड्डे की यात्री संचालन क्षमता प्रति वर्ष एक करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। इसके पूरी तरह विकसित हो जाने के बाद इसे बढ़ाकर प्रति वर्ष सात करोड़ यात्रियों तक किया जा सकता है।

मोदी का कार्यक्रम

पीएम मोदी 28 मार्च, 2026 को पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे गौतमबुद्ध नगर के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का अवलोकन करेंगे ।इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे।इस अवसर पीएम एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

MILLENNIUM POST DELHI 27 MARCH 2026

SEAMLESS RAIL, METRO, REGIONAL CONNECTIVITY PLANNED

PM Modi to unveil Noida Airport tomorrow; will ease load on IGIA

OUR CORRESPONDENT

GREATER NOIDA: Prime Minister Narendra Modi will inaugurate the Noida International Airport on March 28, marking a significant milestone in India's aviation expansion.

The Prime Minister will tour the airport terminal before formally inaugurating the facility at noon and addressing a gathering.

Located in Jewar in the National Capital Region (NCR), the Noida International Airport is expected to complement Indira Gandhi International Airport and ease passenger traffic. Together, the two airports are set to position the Delhi-NCR region as a major aviation hub.

Developed at an estimated cost of Rs 11,200 crore under a public-private partnership model, Phase I of the project will have an initial capacity to handle 12 million passengers annually, scalable up to 70 million passengers upon full completion. The airport features a 3,900-metre runway capable of handling wide-body aircraft, along with advanced navigation systems and all-weather operational capabilities.

A key highlight of the project is its integrated cargo ecosystem, including a multi-level cargo hub with an initial capacity of over 2.5 lakh metric tonnes annually. The airport will also house a dedicated 40-acre Maintenance, Repair and Overhaul (MRO) facility.

Strategically located near the Yamuna Expressway, the airport is designed as a multimodal transport hub with seamless connectivity through rail, metro and regional transit systems. Officials said the airport has been designed with a focus on sustainability, incorporating energy-efficient systems and environmentally responsible practices.

They added that the project is expected to boost regional connectivity, strengthen trade and logistics, generate employment opportunities, and enhance India's position in global aviation.

A view of the newly constructed Noida International Airport, on Thursday PIC/PTI

CLOSER LOOK

- Developed at an estimated cost of Rs 11,200 crore under a public-private partnership model, Phase I of the project will have an initial capacity to handle 12 million passengers annually, scalable up to 70 million passengers upon full completion
- The airport features a 3,900-metre runway capable of handling wide-body aircraft, along with advanced navigation systems

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 27 MARCH 2026

Airport to generate steady income & boost urban dev

DIPIKA KIROLA

GREATER NOIDA: The upcoming Noida International Airport is set to emerge as a key economic driver for Noida, Greater Noida and the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA), boosting real estate and industrial investment while creating sustained revenue streams for urban development.

Officials said the airport has already triggered a sharp rise in property prices and accelerated industrial activity across the region, with its long-term financial impact expected to be even more significant. A special purpose vehicle, Noida International Airport Limited, has been formed by the Government of Uttar Pradesh along with the three development authorities to manage the project.

Under the equity structure, the state government and Noida Authority hold 37.5 per cent stake each, while Greater Noida and YEIDA hold 12.5 per cent each. So far, over Rs 4,406 crore has been spent on land acquisition, jointly borne by the government and the authorities. This investment is expected to begin yielding returns from the sixth year of commercial operations, when revenue sharing commences.

> 'This investment is expected to begin yielding returns from the 6th year of commercial ops, when revenue sharing commences'

"The project was awarded to Zurich Airport International AG, which secured the bid by offering a per-passenger fee of Rs 400.97 — among the highest globally. This means every domestic and international passenger will directly contribute to the revenue pool, which will be distributed among stakeholders based on their equity," a senior official said.

Authorities believe this steady income will become a financial backbone, particularly as their traditional revenue source — land allotment — continues to shrink due to limited availability of land. At the same time, rapid population growth has increased pressure on urban infrastructure and civic amenities, widening the gap between income and expenditure.

Passenger traffic is projected at 5–6 million annually in the initial phase, with estimates suggesting it could rise to as high as 70 million passengers per year by 2040. Officials said such growth would significantly strengthen the financial capacity of the authorities, enabling sustained investment in infrastructure and public services.

"With a fixed per-ticket revenue model, the airport will ensure a predictable income stream. From the sixth year of operations, this will begin contributing substantially to the authorities' finances," the official added. Experts noted that beyond aviation, the airport is expected to catalyse economic activity across sectors — from logistics and warehousing to hospitality and manufacturing — reinforcing its role as a long-term growth engine for the NCR region.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 27 MARCH 2026

Noida airport to be launched by PM on Saturday

EXPRESS NEWS SERVICE @ New Delhi

PRIME Minister Narendra Modi will inaugurate the newly constructed Noida International Airport on Saturday.

Its inauguration marks a significant milestone in India's journey towards becoming a global aviation hub, an official statement said.

"Prime Minister Narendra Modi will visit Uttar Pradesh on March 28, 2026. At around 11.30 am, he will undertake a walkthrough of the terminal building of the Noida International Airport at Jewar, Gautam Buddha Nagar. Thereafter, at around 12 noon, the prime minister will inaugurate Phase I of the Noida International Airport and address a public gathering on the occasion," the statement said.

The Noida airport is one among the largest greenfield airport projects in India.

Together, the Delhi and Noida airports will function as an integrated aviation system, easing congestion, expanding passenger capacity, and positioning the NCR among the leading global aviation hubs, the statement said.

Phase I of the airport has been developed with an outlay of ₹11,200 crore under a public-private-partnership model.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER LUCKNOW 26 MARCH 2026

MODI TO OPEN NOIDA AIRPORT ON MARCH 28

PIONEER NEWS SERVICE
Gautam Buddha Nagar

Prime Minister Narendra Modi will inaugurate the Noida international airport on March 28. Preparations for the inauguration of Noida International Airport on March 28 have been completed. The district administration is working with full readiness to ensure smooth execution of inauguration ceremony.

Following earlier review meetings by district administration, all departments are now finalising their responsibilities. Security arrangements, traffic management, parking, route operations, medical facilities, fire services, electricity supply, cleanliness, drinking water, barricading, signage and public announcement systems are all being put in place.

The event venue, helipad, parking areas and entry-exit routes have been fully organised.

PM to inaugurate Noida airport on 28 March

View of the newly constructed Noida International Airport, ahead of its inauguration by PM Narendra Modi in Noida PTI

PIONEER NEWS SERVICE
New Delhi

Prime Minister Narendra Modi will visit Uttar Pradesh on 28 March 2026. At around 11:30 AM, he will undertake a walkthrough of the Terminal Building of Noida International Airport at Jewar, Gautam Buddha Nagar.

Thereafter, at around 12 noon, Prime Minister will inaugurate Phase I of Noida International Airport and address a public gathering on the occasion.

The Prime Minister's Office in a statement said the inauguration of Noida International Airport marks a significant milestone in India's journey towards becoming a global aviation hub. The airport, envisioned as a major international gateway for the National Capital Region (NCR), represents a major step in strengthening the country's airport infrastructure and enhancing regional and international connectivity. Noida International Airport has been developed as the second international airport for the Delhi NCR region, complementing Indira Gandhi International Airport. Together, the two airports will function as an integrated aviation system, easing congestion, expanding passenger capacity, and positioning Delhi NCR among leading global aviation hubs.

Noida International Airport is among the largest greenfield airport projects in India. Phase I of Noida International Airport has been developed at a total investment of around 11,200 crore under a Public–Private Partnership (PPP) model. The airport will initially have a passenger handling capacity of 12 million passengers per annum (MPPA), with scalability up to 70 MPPA upon full development.

"The airport also incorporates a robust cargo ecosystem, including a Multi-Modal Cargo Hub, featuring an Integrated Cargo Terminal and logistics zones.

The cargo facility is designed to handle over 2.5 lakh metric tonnes annually, expandable to around 18 lakh metric tonnes, and includes a dedicated 40-acre facility," read the statement.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI   DELHI   27 MARCH 2026

नोएडा हवाई अड्डे का कल उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

नयी दिल्ली, (पंजाब केसरी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नवनिर्मित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का शनिवार को उद्घाटन करेंगे।

नोएडा हवाई अड्डे को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है। यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पूरक होगा।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इसका उद्घाटन भारत के वैश्विक विमानन केंद्र बनने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

बयान में कहा गया, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च, 2026 को उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। वह पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे गौतमबुद्ध नगर के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का अवलोकन करेंगे। प्रधानमंत्री इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे।' नोएडा हवाईअड्डा भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजनाओं में से एक है। बयान में कहा गया कि दिल्ली और नोएडा हवाई अड्डे मिलकर एक एकीकृत विमानन प्रणाली के रूप में काम करेंगे जिससे भीड़भाड़ कम होगी, यात्री क्षमता बढ़ेगी और दिल्ली-एनसीआर को दुनिया के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल करने में मदद मिलेगी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 11,200 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। आरंभ में इस हवाई अड्डे की यात्री संचालन क्षमता प्रति वर्ष एक करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। इसके पूरी तरह विकसित हो जाने के बाद इसे बढ़ाकर प्रति वर्ष सात करोड़ यात्रियों तक किया जा सकता है। इसमें उपलब्ध सुविधाओं में 3,900 मीटर लंबा रनवे शामिल है जो बड़े आकार के विमानों को संभालने में सक्षम है।

SWATANTRA BHARAT LUCKNOW 26 MARCH 2026

छोटे शहरों के लिए बड़ी 'उड़ान'

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश के विमानन ढांचे, इमिग्रेशन प्रणाली और वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं को

100 नए एयरपोर्ट और 200 हेलीपैड का तोहफा

मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने कुल 30,640 करोड़ रुपये के की परियोजनाओं और नीतिगत फैसलों को अपनी मंजूरी दे दी है। इन अहम फैसलों में क्षेत्रीय हवाई यातायात को बढ़ावा देने वाली नई उड़ान योजना और 'आईवीएफआरटी 3.0' के विस्तार के साथ-साथ पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) से जुड़ा एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय शामिल है। कैबिनेट की बैठक में सबसे बड़ा वित्तीय आवंटन विमानन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए किया गया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में हवाई संपर्क को और बेहतर बनाने के लिए सरकार ने 'नई उड़ान योजना' को 28,840 करोड़ रुपये की भारी-भरकम मंजूरी दी है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 27 MARCH 2026

Airport is ready to fly, but job dream remains grounded for Jewar youths

Ashni.Dhaor@timesofindia.com

Noida: In 2019, when land acquisition began for Noida International Airport, Saurav Kumar saw a future that would not involve getting out of Jewar and joining the rat race in Delhi or another big city.

A BTech student then, Saurav went on to study MTech in automobile engineering, hoping to have the right qualification for the jobs he expected to come to town, accompanying the airport.

His family was among those that gave up land for the project and was assured of a job, besides compensation. The money came, but not the job. Like Saurav, many Jewar youths have become steadily disillusioned as the airport has taken shape and is now ready for inauguration.

It's not that jobs have not been offered, but those have come from third-party contractors. For job security, local youths have been demanding direct employment under YIAPL, the Zurich AG subsidiary that is building the airport.

"I did not sit for placements in my college, assuming I would get a job at the airport. I thought I should not start a job that I would have to leave," says Saurav, who regrets that decision with his wait for a job at the airport now stretching into year 7 and no real assurance that it will end any time soon. "After waiting for the job till 2022, I decided to take up teaching positions till the time I got a job with the airport," he adds.

But the only job Saurav has now is teaching local youths to prepare for entrance exams.

Saurav's story echoes across six villages in Jewar that are closest to the airport and were affected by land acquisition. Land for the first phase was acquired from Rohi, Parohi, Banwaribas, Kishorpur, Ranhera and Dayanatpur.

Locals say they were given a choice: a one-time additional compensation of around Rs 5 lakh or assured employment for one family member in the airport project. Around 335 youths, they claim, chose the job option, expecting direct employment with Yamuna International Airport Pvt Ltd, the concessionaire for the airport.

Hansraj Singh, a farmer from Dayanatpur, gave up nearly 25 acres of land and received Rs 6 crore as compensation. Today, he lives in the relief and rehabilitation (R&R) colony at Jewar Bangar. "My elder son was working in Gurgaon as a deputy general manager. He left that job in 2020 and came back, hoping to work at the airport," Singh says, referring to terms in the R&R draft about one member of each affected family getting priority in jobs created by the project after being provided necessary training. If employment was not possible, compensation or annuity would be provided, the draft said.

> **A YOUTH SAYS**
>
> **I did not sit for placements in my college, assuming I would get a job at the airport. I thought I should not start a job that I would have to leave**

"It was given to us in writing," says Nitish Bhardwaj from Banwaribas. "We chose long-term security over immediate extra cash."

Nitish, who is a BTech in civil engineering, also stayed put in Jewar, expecting a call for a job at the airport. "If I was not waiting for the airport job, my career graph would have been very different," he says.

Interview calls finally began coming in Sept 2025. "Initially, there was excitement," says Chand Saifi, an unemployed youth from Dayanatpur. "But when we reached, we found the jobs were not under YIAPL but from contractors."

The positions on offer were for security guards and janitorial staff. Youths protested at the site and were assured by officials their concerns would be addressed. On Dec 2, they were called again. "The same thing happened. We sat on protest till senior officials assured us the issue would be looked into," Saifi says.

On Feb 6, they staged another protest at the airport gate and dispersed after fresh assurances. More protests, and more assurances, followed on Feb 23, March 16 and March 23. "In total, we have protested six times since Sept," says Saurav.

Those without college degrees are also unhappy that the skill development promise was overlooked.

With repeated assurances failing to translate into concrete action, the youths decided to escalate their protest and organised a sit-in protest at the airport gate on Wednesday. Around 9pm, officials from the district administration and Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) reached the spot and accepted their demands in writing.

"All of the youth will be provided on-rolls job with YIAPL according to their skills. The joining letter will be of YIAPL, job location will be Jewar, and the letter will have signatures from NIAL (UP govt's special purpose vehicle for the airport) and YIAPL," a YEIDA official told **TOI**.

Saurav, however, says the youths are not buying this assurance and will gather at the airport during its inauguration by the PM on Saturday morning. "We feel the local administration cannot resolve this. But the chief minister and Prime Minister Modi will understand our situation," Saurav adds.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 27 MARCH 2026

Noida airport launches tomorrow, expects 60L passengers in first year

Noida International Airport CEO Christoph Schnellmann expects footfall to reach 60 lakh passengers in the first year, which is half of its annual Phase 1 capacity. Speaking to **Saurabh Sinha** before the inauguration of NCR's second international airport

FULL INTERVIEW: P 4

this Saturday, Schnellmann said NIA will complement Delhi's IGI Airport while having its own unique catchment area, which is eastern NCR, western UP and neighbouring areas of Haryana.

Schnellmann, who also played a key role in developing Bengaluru airport, identified passenger experience as an NIA speciality. "We are excited about the architectural experience and seamless flow design philosophy that draws from the legacy of western UP and Braj Bhoomi — the use of red granite that will remind people of the monuments of the region," he said.

Domestic airfares to go up this summer

With domestic fare caps gone and the number of flights reduced 12%, air travel within the country will be significantly more expensive during the summer schedule from March 29. **P 14**

THE TIMES OF INDIA DELHI 27 MARCH 2026

Philadelphia airport serves up a record 1,291 cheesesteaks

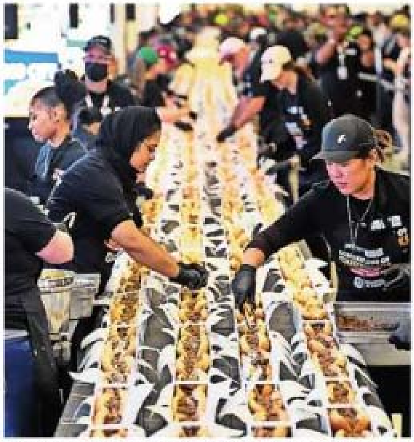

Volunteers assemble cheesesteaks in a Guinness World Record attempt

A departure hall at Philadelphia International Airport became an unlikely setting for a world record on National Cheesesteak Day, as organisers lined up 1,291 cheesesteaks to claim the title of the world's longest cheesesteak display – more than double the previous record of 500. Guinness World Records officially certified the feat, which paid tribute to one of America's most iconic regional foods. The cheesesteak has been a Philadelphia staple since the early 1900s and remains its most recognisable culinary export.

Once the record was confirmed, the sandwiches were distributed to travellers and airport staff. Agencies

Volunteers ladle out cheese onto cheesesteaks as part of the Guinness World Record attempt

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 27 MARCH 2026

Bad weather delays Didi's flight landing

RAJIB CHOWDHURI
KOLKATA, MARCH 26

West Bengal chief minister Mamata Banerjee's flight ran into rough weather on Thursday afternoon during her return to the city after her poll campaign in the western districts of the state. It made four attempts to land at two airports but failed. The flight remained in the airspace for one hour and fifteen minutes before touching down at one of them safely.

Ms Banerjee took off in a private jet, a chartered aircraft, from Andal Airport in Burdwan West at 3.39 pm. She was expected to land at Netaji Subhas Chandra Bose International (NSCBI) Airport in Dum Dum at around 4 pm. Meanwhile, a thunderstorm, coupled with a spell of showers and gusty winds, hit Kolkata.

Caught in the turbulent weather suddenly after entering the city airspace, the jet, carrying the CM and some of her security personnel, tried to land at the NSCBI Airport after hovering in the airspace for around half an hour. The Kolkata air traffic control, however, denied permission due to a danger.

Ms Banerjee's flight then flew in the south direction and made three attempts to land at Behala airport but still failed due to the bad weather, according to sources. It then turned to the north direction and landed at the NSCBI Airport at 5.19 pm. The TMC supremo later reached home by road from there.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA | DELHI | 27 MARCH 2026

दिल्ली से लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान सात घंटे बाद वापस लौटा

कंपनी का दावा : खराबी की आशंका में एहतियातन की गई वापसी

नई दिल्ली। लंदन हीथ्रो जा रहे एअर इंडिया के ए350 विमान को बृहस्पतिवार दोपहर करीब सात घंटे की उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली लौटना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, इसी ए350-900 विमान (वीटी-जेआरएफ) में 15 मार्च को भी तकनीकी खराबी आई थी, जिसके बाद न्यूयॉर्क से दिल्ली जा रहे विमान को आयरलैंड के शैनन शहर की ओर मोड़ दिया गया था।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि बृहस्पतिवार को दिल्ली से लंदन जा रही उसकी उड़ान एआई111 में तकनीकी खराबी की आशंका के चलते एहतियाती तौर पर दिल्ली वापस लौटना पड़ा। प्रवक्ता ने कहा, विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और एअर इंडिया के उच्च सुरक्षा मानकों के अनुरूप, इसकी व्यापक तकनीकी जांच की जा रही है, जिसमें अतिरिक्त समय लगेगा। सूत्रों के अनुसार, विमान में कुछ आवाजें सुनाई देने के बाद उसे मोड़ दिया गया था। विमान सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में पहुंचने के बाद मार्ग बदलने का निर्णय लेने से पहले लगभग चार घंटे तक हवा में रहा।

वैंकूवर के लिए गलत विमान...डीजीसीए ने दिए सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश... नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एअर इंडिया को पिछले सप्ताह वैंकूवर जाने वाली उड़ान में गलत विमान लगाने के मामले में सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली से वैंकूवर जा रही एअर इंडिया की उड़ान 19 मार्च को सात घंटे से अधिक उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली लौट आई। बाद में पता चला कि इस मार्ग पर इस विमान के संचालन की अनुमति नहीं थी घटना के बाद डीजीसीए ने एअर इंडिया से रिपोर्ट मांगी थी।

विमान राष्ट्रीय राजधानी में वापस उतरने से पहले कुल मिलाकर लगभग सात घंटे तक हवा में रहा। यह उड़ान बृहस्पतिवार सुबह लगभग 6 बजे दिल्ली से रवाना हुई थी और दोपहर 12:30 बजे वापस उतरी। एजेंसी

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 27 MARCH 2026

British Airways adds extra flights to Delhi, Mumbai

Our Bureau
Mumbai

British Airways will operate additional flights from London to Delhi and Mumbai until the end of May. The airline is adding short-term capacity on these routes to meet strong demand and provide customers with greater choice and flexibility when travelling between India, the UK and beyond. The extra services come amid continued disruption of flights in West Asia.

From April 7 to May 31, British Airways will operate a third daily service from Delhi to London Heathrow. The airline will add its third daily flight to Mumbai between May 15 and 31.

With this, British Airways will operate up to 63 weekly flights with more than 1,000 additional seats per week between India and the UK.

Air China to restart Delhi services from April 21

Our Bureau
Mumbai

Air China is launching Beijing-Delhi flights from April 21, increasing connectivity options for travellers from both countries.

Air China is the fourth airline to begin services after the resumption of scheduled passenger flights between India and China last November.

CONNECTIVITY BOOST

It will operate a thrice-weekly service with an Airbus A330 aircraft and will also provide onward connections to Canada and the US.

So far, over 60,000 passengers have flown on non-stop flights between Delhi and China operated by Air India, China Eastern Airlines and IndiGo.

IndiGo also operates flights from Kolkata to Guangzhou and Shanghai.

China Eastern Airlines is adding a service between Kolkata and Kunming from April 18.

Carriers from both sides are scheduled to operate around 40 flights per week (one way) in the summer schedule. Apart from non-stop services, Cathay Pacific, Singapore Airlines and Thai carriers also carry significant traffic between India and China.

"The resumption of Air China's flights to Delhi is a positive move and will help improve people-to-people ties," said Anil Kalsi, Vice-President of the Travel Agents Federation of India.

VISA CONCERNS

Visas, however, remain an area of concern with the Indian travel industry pointing to extended timelines for processing and higher rejection rates.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 27 MARCH 2026

विमानन कंपनियों के सामने बड़ी चुनौतियां

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा है कि वह एक ओर यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है, दूसरी ओर एयरलाइन कंपनियों के लिए कामकाज को आसान बनाने के प्रयास भी कर रहा है, ताकि वे आगे बढ़ सकें और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। नागर विमानन महानिदेशक फैज अहमद किदवई ने कहा कि इस समय एयरलाइन कंपनियों के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं, जिनमें हवाई क्षेत्र से जुड़ी पाबंदियों के कारण लंबा मार्ग अपनाना और परिचालन लागत में बढ़ोतरी शामिल है। *भाषा*

BUSINESS STANDARD DELHI 27 MARCH 2026

A-I flight en route London faces technical issue, returns to Delhi

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, 26 March

Air India's A350 aircraft en route to London Heathrow returned to the national capital due to a technical issue on Thursday afternoon after being airborne for nearly seven hours.

The same A350-900 aircraft VT-JRF had faced a technical issue on March 15, following which the plane operating the flight from New York to Delhi was diverted to the Irish town of Shannon, sources said.

An Air India (A-I) spokesperson said its flight AI111, operating from Delhi to London on Thursday, made a precautionary air-return to the national capital following a suspected technical issue. "The aircraft landed safely and consistent with Air India's high safety standards, it is currently subject to extensive technical evaluations, which will require additional time to complete," the spokesperson said in a statement.

According to the sources, noises were heard in the aircraft following which it was diverted.

Details about the number of passengers onboard could not be ascertained.

The aircraft operating the flight AI111 was airborne for around four hours before the decision was taken to divert the plane when it was in the Saudi Arabia airspace.

BUSINESS STANDARD DELHI 27 MARCH 2026

Hope we see better days as airlines are facing big challenges: DGCA chief

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, 26 March

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) is trying to promote ease of doing business for airlines to help them grow and flourish as well as taking steps for passenger rights, its chief Faiz Ahmed Kidwai said on Thursday.

There are big challenges for airlines, including taking longer routes and higher operational costs due to airspace restrictions, he said, expressing hope that there would be "better days".

The ongoing West Asia conflict is posing more challenges for airlines, which have curtailed services to the region.

"It is not only passenger rights which we are looking at... we are trying to ease things for the airlines also and the rules and regulations which are there, promote ease of doing business because we want our airlines to grow and flourish," Kidwai said.

He said many airlines have gone bust in India and emphasised the need to support carriers.

India is one of the world's fastest-growing civil aviation markets and the DGCA as well as the civil aviation ministry have been taking various initiatives.

Recently, it was decided that 60 per cent of seats in a domestic flight will be offered without any additional charges while the fare cap, which was imposed in the wake of IndiGo operational disruptions that happened in December 2025, has been withdrawn.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 27 MARCH 2026

लंदन जा रहा एअर इंडिया का विमान 7 घंटे बाद लौटा

नई दिल्ली | एअर इंडिया की दिल्ली से लंदन जा रही फ्लाइट (एआई-111) को गुरुवार को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। विमान सुबह 6 बजे दिल्ली से हीथ्रो (लंदन) के लिए रवाना हुआ था। जब विमान सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में था, तब पायलट को ''असामान्य आवाजें'' सुनाई दीं। इससे तकनीकी गड़बड़ी का संदेह हुआ। सुरक्षा को देखते हुए पायलट ने विमान को वहीं से वापस मोड़ने का फैसला लिया। करीब 7 घंटे हवा में रहने के बाद दोपहर 12:30 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

(शेष पेज 10 पर)

वैनकूवर के लिए ''गलत'' विमान भेजने पर फटकार

विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया को वैनकूवर उड़ान के लिए गलत श्रेणी का विमान तैनात करने पर कड़ी फटकार लगाई है। पिछले हफ्ते वैनकूवर जा रहा बोइंग 777-200 एलआर विमान 7 घंटे की उड़ान के बाद इसलिए दिल्ली लौटा क्योंकि उस रूट के लिए इसे मंजूरी ही नहीं थी। डीजीसीए ने एयरलाइन से सुधारात्मक कदम उठाने को कहा है और जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की गई है।

लंदन जा रहा एयर इंडिया

एअर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, एहतियात के तौर पर विमान को वापस बुलाया गया। विमान की विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि इसी ए350-900 विमान में 15 मार्च को न्यूयॉर्क-दिल्ली उड़ान के दौरान भी खराबी आई थी, जिसके चलते उसे आयरलैंड डायवर्ट करना पड़ा था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 27 MARCH 2026

छह साल बाद रोम के लिए फिर शुरू की उड़ान

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने छह साल के अंतराल के बाद इटली की राजधानी रोम के लिए उड़ान की शुरुआत की है। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई123 बुधवार को दिल्ली से रोम के फिउमिचिनो हवाई अड्डे के रवाना हुई। यह नॉन स्टॉप उड़ान सप्ताह में चार बार है। रोम यूरोप की मुख्य भूमि में एयर इंडिया का आठवां और मिलान के बाद इटली का दूसरा गंतव्य बन गया है। एम्स्टर्डम, कोपेनहेगन, फ्रैंकफर्ट, मिलान, पेरिस, वियना और ज्यूरिख के लिए उसकी नॉन स्टॉप सेवाएं पहले से हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 26 MARCH 2026

Airlines & BAGGAGE BLUES

LIABILITY LIMITS

DOMESTIC CARRIAGE

Baggage: Rs 20,000 per passenger (loss, delay, damage)

Cargo: Rs 350 per kg (loss, delay, damage)

INTERNATIONAL CARRIAGE

Baggage: 1,131 SDR per passenger (loss, delay, damage)

Cargo: 19 SDR per kg (loss, delay, damage)

(On March 13, 1 SDR equalled Rs 125.52, IMF rate)

Year	Damaged	Delayed*	Missing-stolen
2024	224	NA	185
2025	416	76	433
2026 (till Feb 28)	153	69	173

(*DGCA did not maintain delayed baggage data before 2024)

(Source: Ministry of Civil Aviation in Lok Sabha)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 27 MARCH 2026

पायलट को तकनीकी खराबी का हुआ आभास, बीच सफर से सऊदी अरब से लौटा एअर इंडिया का विमान

- सात घंटे की उड़ान के बाद लंदन जा रही एअर इंडिया के विमान की नई दिल्ली वापसी
- नियमानुसार तकनीकी संदेह पर पायलट अपने होम बेस पर लौटने का निर्णय ले सकता है

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: एअर इंडिया के अंतरराष्ट्रीय परिचालन में चुनौतियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। बृहस्पतिवार को दिल्ली से लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआइ111 को सफर के दौरान तकनीकी खराबी के संदेह में सऊदी अरब के एयर स्पेस से वापस दिल्ली लौटाया गया। पिछले 10 दिनों के भीतर यह दूसरी ऐसी घटना है जब किसी अंतरराष्ट्रीय विमान को बीच सफर से यू-टर्न लेना पड़ा है, जिससे एयरलाइन के बेड़े के रखरखाव और परिचालन प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह विमान बृहस्पतिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे आइजीआइ एयरपोर्ट से लंदन के लिए रवाना हुई। इस उड़ान ने जैसे ही सऊदी अरब के एयर स्पेस में प्रवेश किया, पायलटों को विमान में कुछ संदिग्ध तकनीकी आवाजें महसूस हुईं। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए, एयरलाइन ने जोखिम नहीं लेने का फैसला लिया। लगभग सात घंटे की उड़ान के बाद बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12:30 बजे आइजीआइए पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई।

10 दिनों में वापसी की दूसरी बड़ी घटना: इस घटना ने ठीक एक सप्ताह पहले, 19 मार्च को हुई उस बड़ी चूक की यादें ताजा कर दीं, जब दिल्ली से वैंकूवर (कनाडा) जा रही एअर इंडिया के विमान को चीन के पास से दिल्ली बुलाया गया था। हालांकि वह तकनीकी नहीं बल्कि एक प्रशासनिक गलती थी, लेकिन यात्रियों को उस समय भी नौ घंटे की अनावश्यक उड़ान का सामना करना पड़ा था। इस पूरे प्रकरण पर एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर हमारी टीम यात्रियों को जलपान और हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। हम उन्हें जल्द से जल्द लंदन पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं।

आखिर सऊदी अरब में ही क्यों नहीं हुई लैंडिंग: बड़ा सवाल उठता है कि जब विमान सऊदी अरब तक पहुंच गया था, तो उसे वहीं किसी नजदीकी एयरपोर्ट पर क्यों नहीं उतारा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एअर इंडिया का मुख्य हब है। यहां उनके पास हर तरह के स्पेयर पार्ट्स और अनुभवी इंजीनियर उपलब्ध हैं। सऊदी अरब में लैंड करने का मतलब होता विमान वहां कई दिनों तक फंस सकता था। एक दूसरी महत्वपूर्ण वजह यह हो सकती है कि एयरलाइन के लिए किसी तीसरे देश में 200 से अधिक यात्रियों को उतारने के लिए वीजा, होटल और वैकल्पिक उड़ानों का इंतजाम करना बेहद जटिल होता है। दिल्ली में एयरलाइन के लिए इन सब चीजों को मैनेज करना आसान है। विशेषज्ञों का कहना है कि डीजीसीए के नियमों के अनुसार, यदि खराबी आपातकालीन (जैसे आग या इंजन फेल होना) नहीं है और विमान सुरक्षित रूप से उड़ने की स्थिति में है, तो पायलट अपने होम बेस पर लौटने का निर्णय ले सकता है ताकि विमान की सही जांच हो सके।

'वैंकूवर के लिए गलत विमान भेजने जैसी घटना फिर न हो'

- डीजीसीए ने एअर इंडिया को इस मामले में सुधारात्मक कदम उठाने का दिया निर्देश
- 19 मार्च को सात घंटे की उड़ान के बाद विमान को लौटना पड़ा था दिल्ली

नई दिल्ली, प्रेट्र: पिछले सप्ताह वैंकूवर की उड़ान में गलत विमान भेजने के लिए विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया से सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कहा है, ताकि यह घटना दोबारा हो। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए एयरलाइन के एक अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई है।

एअर इंडिया के वैंकूवर जा रहे बोइंग 777-200 एलआर विमान को उड़ान भरने के लगभग नौ घंटे बाद 19 मार्च को दिल्ली लौटना पड़ा था, जब यह पता चला था कि यह विमान उस उड़ान के लिए स्वीकृत नहीं था। इस उड़ान के लिए सिर्फ बोइंग 777-300 ईआर विमान को स्वीकृति हासिल थी। इस घटना के बाद डीजीसीए ने एयरलाइन से रिपोर्ट तलब की थी।

एयरलाइनों के समक्ष बड़ी चुनौतियां : किदवई: इंडियन चैंबर आफ कामर्स (आइसीसी) के विमानन एवं पर्यटन पर आयोजित सम्मेलन में डीजीसीए के प्रमुख फैज अहमद किदवई ने गुरुवार को कहा कि महानिदेशालय एयरलाइनों के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है ताकि उन्हें बढ़ने एवं फलने-फूलने के साथ-साथ यात्रियों के अधिकारों के लिए कदम उठाने में मदद मिल सके।

उन्होंने कहा कि एयरलाइनों के समक्ष काफी बड़ी चुनौतियां हैं जिनमें वायुक्षेत्र प्रतिबंधों की वजह से लंबे मार्ग और संचालन की ऊंची लागत शामिल है।

उन्होंने अच्छे दिन आने की उम्मीद भी जताई। किदवई ने कहा कि महानिदेशालय सिर्फ यात्रियों के अधिकारों का ही ध्यान नहीं रख रहा, बल्कि एयरलाइनों के लिए भी चीजों को सुगम बनाने का प्रयास कर रहा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 27 MARCH 2026

तकनीकी खराबी के आभास के बाद बीच सफर से लौटा विमान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- दिल्ली से लंदन जा रहा था एअर इंडिया का विमान, सऊदी अरब के एयर स्पेस से वापस लौटा
- करीब सात घंटे की उड़ान के बाद हुई सुरक्षित लैंडिंग, 10 दिनों के भीतर यह दूसरी घटना

एअर इंडिया के अंतरराष्ट्रीय परिचालन में चुनौतियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। गुरुवार को दिल्ली से लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआइ111 को सफर के दौरान तकनीकी खराबी के संदेह में सऊदी अरब के एयर स्पेस से वापस आना पड़ा। लगभग सात घंटे की कुल उड़ान के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे आइजीआइ एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई। पिछले 10 दिनों के भीतर यह दूसरी ऐसी घटना है, जब किसी अंतरराष्ट्रीय विमान को बीच सफर से यू-टर्न लेना पड़ा है, जिससे एयरलाइन के बेड़े के परिचालन प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह विमान गुरुवार सुबह करीब साढ़े छह बजे आइजीआइ एयरपोर्ट से लंदन के लिए रवाना हुआ। उड़ान ने जैसे ही सऊदी अरब के एयर स्पेस में प्रवेश किया, पायलटों को विमान में कुछ संदिग्ध तकनीकी आवाजें महसूस हुईं। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए,

प्रतीकात्मक

एयरलाइन ने जोखिम नहीं लेने का फैसला लिया। इस पूरे प्रकरण पर एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर हमारी टीम यात्रियों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है।

इस घटना ने 19 मार्च को हुई उस बड़ी चूक की यादें ताजा कर दीं, जब दिल्ली से वैंकूवर जा रहे एअर इंडिया के विमान को चीन के पास से वापस दिल्ली बुलाया गया था। हालांकि, वह तकनीकी नहीं बल्कि एक प्रशासनिक गलती थी, लेकिन यात्रियों को उस समय भी नौ घंटे की अनावश्यक उड़ान का सामना करना पड़ा था।

आखिर सऊदी अरब में ही क्यों नहीं हुई लैंडिंग

कहा है कि जब विमान सऊदी अरब तक पहुंच गया था, तो उसे वहीं किसी नजदीकी एयरपोर्ट पर क्यों नहीं उतारा गया। दिल्ली में एअर इंडिया के लिए हर तरह के स्पेयर पार्ट्स व अनुभवी इंजीनियर हैं। सऊदी अरब में लैंड करने पर विमान वहां कई दिनों तक फंस सकता था। एक दूसरी महत्वपूर्ण वजह यह हो सकती है कि किसी तीसरे देश में 200 से अधिक यात्रियों को उतारने के लिए वीजा, होटल और वैकल्पिक उड़ानों का इंतजाम करना बेहद जटिल होता है।

डीजीसीए ने एअर इंडिया से कहा, दोबारा न हो ऐसी घटना

नई दिल्ली, प्रेट्र : पिछले सप्ताह वैंकूवर की उड़ान में गलत विमान भेजने के लिए विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया से सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कहा है, ताकि यह घटना दोबारा हो। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस वाकये के लिए एयरलाइन के एक अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई है। एअर इंडिया के वैंकूवर जा रहे बोइंग 777-200 एलआर विमान को उड़ान भरने के लगभग सात घंटे बाद 19 मार्च को दिल्ली लौटना पड़ा था, जब यह पता चला था कि यह विमान उस उड़ान के लिए स्वीकृत नहीं था। इस उड़ान के लिए सिर्फ बोइंग 777-300 ईआर विमान को स्वीकृति हासिल थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 26 MARCH 2026

UDAN 2.0 takes flight

Gaurav Vivek Bhatnagar & Dhairya Gajara

NEW DELHI/MUMBAI

The Union Cabinet on Wednesday approved a revamped Regional Connectivity Scheme (RCS-UDAN) with an outlay of Rs 28,840 crore over ten years, aiming to expand air connectivity to underserved regions while strengthening aviation infrastructure and domestic manufacturing.

The modified scheme, to run from FY 2026-27 to FY 2035-36, seeks to bridge regional connectivity gaps by funding airport development, operational support, helipads and fleet expansion.

▸ Contd on | nation

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 27 MARCH 2026

लंदन जा रही एयर इंडिया की उड़ान बीच सफर से लौटी

नई दिल्ली, एजेंसी। लंदन जा रही एयर इंडिया की ए350 उड़ान तकनीकी समस्या के कारण सात घंटे तक हवा में रहने के बाद गुरुवार दोपहर को वापस दिल्ली लौट आई। यह उड़ान सुबह छह बजे दिल्ली से रवाना हुई थी और दोपहर 12:30 बजे वापस आ गई।

एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि एआई-111 विमान को तकनीकी समस्या के संदेह के कारण सुरक्षित रूप से दिल्ली मोड़ लिया गया। विमान सुरक्षित रूप से उतरा और विमानन कंपनी के उच्च सुरक्षा मानकों के अनुसार इसकी विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है। हालांकि, विमान में कितने यात्री सवार थे, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 27 MARCH 2026

Airlines to cut flights as fuel costs increase

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Indian airlines are set to operate about 3,000 fewer flights a week in the upcoming summer schedule, cutting capacity amid rising costs and uncertainty linked to the West Asia crisis.

Around 12% fewer flights will operate this summer compared with the same period last year, an official familiar with the matter said. Carriers had operated 25,610 weekly flights in the summer of 2025, up from 24,275 in 2024. That number is now expected to drop to roughly 22,600 flights a week in the schedule effective March 29 through October 31. Airlines are scaling back as operating costs—particularly fuel and foreign exchange — climb, and as concerns grow that demand could weaken if geopolitical tensions in West Asia persist, people aware of the matter said.

In a statement, the country's largest airline, IndiGo, said it plans to begin the domestic summer schedule with nearly 2,000 daily flights in April. Its international schedule was initially planned at winter levels, but deployment will depend on developments in the Middle East. The airline flagged a sharp escalation in operating costs, driven by fuel and forex, in an already inflationary cost environment. It said fuel surcharges and fare increases may be necessary, which could in turn weigh on demand.

Airlines to operate 12% fewer flights this summer. MINT

"This is an extremely fluid operating environment," a spokesperson said, adding that capacity will be recalibrated as needed across domestic and international networks.

The government has not issued a formal statement on capacity cuts. Industry executives said airlines may raise fares from April and could ground aircraft if aviation turbine fuel prices continue to rise.

"There is a sense that passengers, including leisure travellers, may defer plans due to the West Asia crisis," an industry insider said. "If load factors weaken, airlines may cancel or consolidate flights or, in extreme cases, ground aircraft."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 27 MARCH 2026

संसदीय समिति का खुलासा

हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ी, लेकिन सुरक्षा घटी

नई दिल्ली, लोकसत्य। संसद में गुरुवार को पेश की गई परिवहन मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र के कामकाज और बजट को कई गंभीर सवाल उठाए हैं। समिति की रिपोर्ट संख्या 387 के मुताबिक,देश के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर स्थिति अच्छी नहीं है। महानिदेशालय उड्डयन के लेखा परीक्षण में 754 विमानों में बार-बार तकनीकी खामियां पाई गई। अहमदाबाद विमान हादसे में 260 लोगों की मौत और एक साल में करीब 100 सुरक्षा चूकों का हवाला देते हुए समिति ने विमानन सुरक्षा पर एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय समिति बनाने की सिफारिश की है,जिसे 6 महीने में अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

रिपोर्ट यह भी बताती है कि सुरक्षा की निगरानी करने वाला महानिदेशालय नागरिक उड्डयन खुद संसाधनों की कमी का सामना कर रहा है। 1630 स्वीकृत पदों में से केवल 843 भरे हैं,यानी तकरीबन 48 फीसदी पद खाली पड़े हुए हैं। समिति ने अपनी सिफरिश में सरकार से कहा है कि इस स्थिति को देखते हुए एक समयबद्ध भर्ती और प्रतिनियुक्ति योजना तैयार की जाए। क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए शुरू की गई उड़ान योजना पर भी रिपोर्ट में सवाल उठाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि 9200 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जा चुके हैं और 657 मार्ग चालू बताए गए हैं। लेकिन 150 से ज्यादा मार्ग अभी तक नहीं शुरू किए गए हैं। समिति की रिपोर्ट का साफ संदेश है कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है,लेकिन उसके साथ जरूरी सुरक्षा और संस्थागत मजबूती नहीं बढ़ पाई है। स्टॉफ की कमी,सुरक्षा चूक और योजनाओं के अधूरे क्रियान्वयन जैसे मुद्दे बताते हैं कि अब इस क्षेत्र में सुधार को टाला नहीं जाना चाहिए।

Airlines to operate 10% fewer flights in summer schedule

PTI
feedback@livemint.com
NEW DELHI/MUMBAI

Indian airlines are set to operate a little over 23,000 weekly domestic flights during the summer schedule starting from 29 March, which is 10% less than the services flown during the same period a year ago.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has published the domestic flights summer schedule, which is from 29 March to 24 October, for nine scheduled airlines.

The summer schedule starts from 29 March. ISTOCKPHOTO

A senior official at the aviation watchdog on Thursday told *PTI* that the airlines would be operating around 10% fewer flights in 2026 summer schedule compared to the previous summer schedule.

During the 2025 summer schedule, there were 25,610 weekly flights and this time, a 10% reduction would mean the number of services will come down by 2,561. Accordingly, the total count will be about 23,049 weekly flights, as per an analysis.

The DGCA has put out the airline-wise domestic summer schedule for 2026 on its website but has not provided a consolidated figure and comparison with the previous summer schedule or the ongoing winter schedule.

The nine airlines are Air India, Air India Express, IndiGo, Akasa Air, SpiceJet, Alliance Air, FLY91, Star Air and IndiaOne Air.

In the current winter schedule, from 26 October 2025 to 28 March 2026, airlines were to operate 26,495 weekly flights. However, the massive operational disruptions at IndiGo in early December had an impact and the DGCA had curtailed the carrier's winter schedule flights by 10%.

The 2025 summer schedule had 25,610 weekly flights and this time, a 10% cut means it would be down by 2,561

Meanwhile, the ongoing West Asia conflict, which began on 28 February, is significantly disrupting flight services of Indian carriers to the region.

Against this backdrop, airline executives told *PTI* that there is a lot of uncertainty and there could be further reduction in the existing summer schedule itself.

The schedule was mostly prepared in January and February, a period during which there were no risks related to the Middle East conflict. Now, the scenario is completely different and operational complexities have increased, one of the officials said.

On 24 March, IndiGo said it intends to start its domestic summer schedule with nearly 2,000 daily flights in April.

"IndiGo's international schedule was planned at similar levels to winter, but the deployed scale will, of course, vary based on ongoing circumstances in the Middle East. It should be noted that there is a very material escalation in operating costs, with fuel and forex-related costs expected to continue to increase very substantially, in addition to what is already an escalating cost environment," the airline said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 27 MARCH 2026

Action on Air India follows the operation of the wrong aircraft for a Vancouver flight. REUTERS

Air India told to take corrective actions

Aviation watchdog Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has asked Air India to take corrective measures after the airline deployed the wrong aircraft on a flight to Vancouver last week, a senior official said on Thursday. Action has also been taken against an airline official for the incident, the senior official at DGCA told *PTI*.

A Vancouver-bound Air India Boeing 777-200 LR aircraft, after being airborne for over seven hours, returned to Delhi on 19 March after it was found that the plane was not approved for operation. The approval is only for Boeing 777-300 ER to operate that flight.

Following the incident, DGCA had sought a report from the airline. Air India has been asked to take corrective measures to ensure that such incidents do not happen again, and action has also been taken against an airline official, the DGCA official said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 27 MARCH 2026

Airlines facing big challenges, 'hope we see better days': DGCA

NEW DELHI: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) is trying to promote ease of doing business for airlines to help them grow and flourish as well as taking steps for passenger rights, its chief Faiz Ahmed Kidwai said.

There are big challenges for airlines, including taking longer routes and higher operational costs due to airspace curbs, he said, expressing hope that there would be "better days".

"It is not only passenger rights which we are looking at... we are trying to ease things for the airlines also and the rules and regulations which are there, promote ease of doing business

because we want our airlines to grow and flourish," Kidwai said.

He said many airlines have gone bust in India and emphasised the need to support carriers.

India is one of the world's fastest-growing civil aviation markets and the DGCA as well as the government has been taking various initiatives.

Recently, it was decided that 60 per cent of seats in a domestic flight will be offered without any additional charges while the fare cap, imposed in the wake of IndiGo operational disruptions in December 2025, has been withdrawn. "We are facing a very typical time because, especially for our carriers, if you see the Pakistan airspace is closed for them," he said.

Against the backdrop of West Asia conflict, airlines have to take longer routes, meaning carrying more fuel and the cost of fuel is going up. Also, carrying more fuel means less cargo and passengers so it hits revenues, he added. PTI

MILLENNIUM POST DELHI 27 MARCH 2026

Indian airlines to operate 23K weekly domestic flights during summer schedule, down 10% YoY

NEW DELHI/MUMBAI: Indian airlines are set to operate a little over 23,000 weekly domestic flights during the summer schedule starting from March 29, which is 10 per cent less than the services flown during the same period a year ago.

Aviation watchdog DGCA has published the domestic flights summer schedule, which is from March 29 to October 24, for nine scheduled airlines.

A senior DGCA official on Thursday told PTI that the airlines would be operating around 10 per cent fewer flights in 2026 summer schedule compared to the previous summer schedule.

During the 2025 summer schedule, there were 25,610 weekly flights and this time, a 10 per cent reduction would mean the number of services will come down by 2,561. Accordingly, the total count will be about 23,049 weekly flights, as per an analysis.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has put out the airline-wise domestic summer schedule for 2026 on its website but has not provided a consolidated figure and comparison with the previous summer schedule or the ongoing winter schedule.

The nine airlines that are to operate flights during the 2026 summer schedule are Air India, Air India Express, IndiGo, Akasa Air, SpiceJet, Alliance Air, FLY91, Star Air and IndiaOne Air.

In the current winter schedule from October 26, 2025, to March 28, 2026, airlines were to operate 26,495 weekly flights. However, the massive operational disruptions at IndiGo in early December had an impact and the DGCA had curtailed the carrier's winter schedule flights by 10 per cent.

Meanwhile, the ongoing West Asia conflict, involving the US, Israel and Iran that started on February 28, is significantly disrupting flight services of Indian carriers to the region.

Against this backdrop, airline executives told PTI that there is a lot of uncertainty and there could be further reduction in the existing summer schedule itself.

The schedule was mostly prepared in January and February, a period during which there were no risks related to the Middle East conflict, which started on February 28. Now, the scenario is completely different and operational complexities have increased, one of the officials said.

On March 24, IndiGo said it intends to start its domestic summer schedule with nearly 2,000 daily flights in April. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST KOLKATA 26 MARCH 2026

AIMS TO EXPAND REGIONAL AVIATION

Cabinet clears revamped UDAN scheme with Rs 28,840 cr outlay

OUR CORRESPONDENT

HIGHLIGHTS

» Under the modified scheme, 100 airports would be developed from existing unserved airstrips with the help of state govts, and the outlay in this regard would be Rs 12,159 crore over the next eight yrs

» Scheme aims to develop 200 modern helipads at Rs 15 crore each: Govt

NEW DELHI: Revamping the regional air connectivity initiative, the Union Cabinet on Wednesday cleared a modified UDAN scheme with an outlay of Rs 28,840 crore for ten years that will provide funds for developing airports, related operations and maintenance activities, helipads and support for acquisition of India-made aircraft.

Airlines will be provided Viability Gap Funding (VGF) for operating UDAN routes, and the amount is estimated to be Rs 10,043 crore over the ten-year period starting from FY 2026-27.

Briefing media persons after the Cabinet meeting, Information and Broadcasting Minister Ashwini Vaishnaw said that under the modified scheme, 100 airports would be developed from existing unserved airstrips with the help of state governments, and the outlay in this regard would be Rs 12,159 crore over the next eight years.

The scheme aims to develop 200 modern helipads at Rs 15 crore each, amounting to a total requirement of Rs 3,661 crore over the next eight years (inflation-adjusted), an official release said.

The focus will be to develop helipads in priority and aspirational districts to improve last-mile connectivity and emergency response.

Towards Operation & Maintenance (O&M) works, the scheme will provide support for three years, capped at Rs 3.06 crore per annum per airport and Rs 0.90 crore per annum per heliport/water aerodrome. The total amount is estimated to be Rs 2,577 crore for around 441 aerodromes, the release said.

According to the government, the funding is being proposed, given the high recurring O&M costs and limited revenue streams for the Regional Connectivity Scheme (RCS)-only aerodromes.

"To address the shortage of small fixed-wing aircraft and helicopters required for operations in remote and difficult terrains and to advance the Atmanirbhar Bharat vision, the scheme also proposes to procure two HAL Dhruv helicopters for Pawan Hans and two HAL Dornier aircraft for Alliance Air," the release said.

The modified UDAN (Ude Desh ka Aam Nagrik) scheme has been approved for the period from FY2026-27 to FY 2035-36 with a total outlay of Rs 28,840 crore, and there will be budgetary support from the central government.

The existing UDAN scheme ends later this year.

Since the launch of UDAN in October 2016, the government said 663 routes have been operationalised across 95 airports, heliports and water aerodromes. These figures are till February 28.

More than 3.41 lakh flights have been operated, carrying 162.47 lakh passengers under the scheme, which has fostered growth in regional airlines and diverse fleet operations, it added.

India is one of the world's fastest-growing domestic civil aviation markets.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 27 MARCH 2026

London-bound AI flight returns to Delhi after 7 hrs amid technical snag

S LALITHA @ New Delhi

CABIN vibrations forced an Air India flight carrying more than 300 passengers from New Delhi to London Heathrow to turn back midair on Thursday, marking the third such incident involving an international flight operated by the airline in less than two weeks.

Flight AI111, operated by an Airbus A350-941, had departed from Terminal 3 of the Indira Gandhi International Airport at 5.43 am, according to flight tracking website FlightAware. After flying for several hours and crossing Oman into Saudi Arabian airspace, the aircraft made a U-turn and returned to Delhi, landing safely at 12.52 pm, nearly seven hours after departure, as per Flightradar24 data.

Air India confirmed the incident in a statement, saying the aircraft made a "precautionary air-return" after a suspected technical issue. "A non-specific vibration was felt in the cabin, though the flight deck indications remained normal," the airline said. It added that the crew chose to return to Delhi as a precautionary measure, and the aircraft landed without incident. The airline also noted that the aircraft had previously undergone detailed inspections by its engineering team and had been cleared for operation by Airbus technical specialists. It had been operating normally since then. The plane is currently undergoing further comprehensive checks in line with Air India's safety protocols.

U-turn from Gulf airspace

Flight AI111, operated by an Airbus A350-941, had departed from Terminal 3 of the Indira Gandhi International Airport at 5.43 am, according to flight tracking website FlightAware. After flying for several hours and crossing Oman into Saudi Arabian airspace, the aircraft made a U-turn and returned to Delhi, landing safely at 12.52 pm, nearly seven hours after departure.

This is the third recent case of an Air India international flight being forced to abort its journey over technical concerns. On March 23, flight AI133 from Bengaluru to London Heathrow was diverted to Jeddah following a technical issue. Earlier, on March 16, flight AI102 from New York's JFK Airport was diverted to the Shannon International Airport in Ireland after vibrations were detected midair.

In a separate incident on March 20, Air India had mistakenly deployed the wrong aircraft—an Extended Range instead of a Long Range—for a flight from Delhi to Vancouver. The aircraft, carrying 280 passengers and 10 crew members, had to return while flying over Chinese airspace after the error was identified by ground staff. Air India did not respond to queries regarding the recent series of technical issues affecting its international operations.

Meanwhile, India's aviation watchdog, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), has asked Air India to take corrective measures in the aftermath of the Vancouver incident, an agency report says, quoting a senior DGCA official. Action has also been taken against an airline official for the incident, the official is reported to have stated.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVODAYA TIMES DELHI 27 MARCH 2026

भारतीय विमानन क्षेत्र पर दबाव, सुधार की उम्मीदः डी.जी.सी.ए.

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजैंसी): नागर विमानन महानिदेशालय (डी.जी.सी.ए.) के प्रमुख फैज अहमद किदवई ने कहा कि भारतीय एयरलाइन कंपनियां इस समय कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं, लेकिन आने वाले समय में स्थिति सुधरने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि हवाई क्षेत्र से जुड़ी पाबंदियों, विशेषकर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण एयरलाइनों को लंबा मार्ग अपनाना पड़ रहा है। इससे ईंधन की खपत और परिचालन लागत दोनों बढ़ रही हैं, साथ ही यात्रियों और कार्गो के लिए उपलब्ध स्थान भी घट रहा है, जिससे कंपनियों की आय प्रभावित हो रही है।

किदवई ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने भी विमानन क्षेत्र पर अतिरिक्त दबाव डाला है, जिसके चलते कई एयरलाइनों ने अपनी सेवाएं सीमित कर दी हैं। डी.जी.सी.ए. एक ओर यात्रियों के अधिकारों को मजबूत करने पर काम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर एयरलाइनों के लिए नियमों को सरल बनाकर कारोबार को आसान बनाने की दिशा में भी प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में शामिल है और सरकार तथा नियामक संस्थाएं इस क्षेत्र को मजबूती देने के लिए लगातार कदम उठा रही हैं।

वैंकूवर उड़ान के लिए गलत विमान लगाने के मामले में एयर इंडिया को सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश

नागर विमानन महानिदेशालय (डी.जी.सी.ए.) ने एयर इंडिया को पिछले सप्ताह वैंकूवर जाने वाली उड़ान में गलत विमान लगाने के मामले में सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस घटना के लिए एयरलाइन के एक अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। दिल्ली से वैंकूवर जा रही एयर इंडिया की उड़ान 19 मार्च को बोइंग 777-200 एलआर विमान से संचालित हो रही थी और 7 घंटे से अधिक उड़ान भरने के बाद वापस दिल्ली लौट आई। बाद में पता चला कि इस मार्ग पर इस विमान के संचालन की अनुमति नहीं थी और इस उड़ान के लिए केवल बोइंग 777-300 ईआर विमान को ही मंजूरी दी गई है।

घटना के बाद डी.जी.सी.ए. ने एयर इंडिया से रिपोर्ट मांगी थी। अब एयरलाइन को निर्देश दिया गया है कि वह ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुधारात्मक कदम उठाए। हालांकि, कार्रवाई से जुड़े विस्तृत विवरण तुरंत उपलब्ध नहीं हो सके हैं। एयर इंडिया की ओर से इस पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

SWATANTRA BHARAT | LUCKNOW | 25 MARCH 2026

लखनऊ में निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ कर बोले सीएम योगी

एविएशन हब के रूप में उभर रहा यूपी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश ने बीते कुछ वर्षों में एयर कनेक्टिविटी, निवेश और कानून-

- 'माफिया मुक्त प्रदेश' बनाने पर दिया जोर

व्यवस्था के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब प्रदेश में 'ढाई एयरपोर्ट' ही संचालित माने जाते थे, जबकि आज उत्तर प्रदेश देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे एविएशन हब के रूप में उभर रहा है। लोकभवन में आयोजित निवेश मित्र सम्मेलन में उन्होने बताया कि पहले केवल लखनऊ और वाराणसी के एयरपोर्ट पूरी तरह सक्रिय थे, जबकि गोरखपुर और आगरा में सीमित और अनियमित उड़ानें संचालित होती थीं। लेकिन वर्तमान में प्रदेश में 16 घरेलू और 4 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल

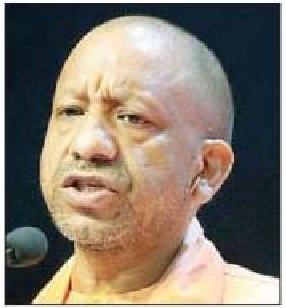

एयरपोर्ट जल्द ही देश का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने जा रहा है, जिसका उद्घाटन 28 मार्च को प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट को देश का सबसे बड़ा कार्गो और लॉजिस्टिक हब विकसित किया जा रहा है। यहां एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉलिंग की आधुनिक सुविधा भी स्थापित की जा रही है, जो भारत में पहली बार इस स्तर पर देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक निवेश के माहौल में आए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले निवेशकों में उत्तर प्रदेश को लेकर झिझक थी। उन्होंने कहा कि उस समय निवेश के लिए आमंत्रित करने पर कई उद्योगपति प्रदेश आने से कतराते थे, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और यूपी निवेश का आकर्षक केंद्र बन गया है।

उन्होंने प्रदेश में कानून-व्यवस्था सुधार को इस बदलाव का प्रमुख कारण बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले माफिया गिरोहों के कारण समानांतर सत्ता चलती थी, जिससे आम नागरिक, व्यापारी और महिलाओं की सुरक्षा प्रभावित होती थी।

THE STATESMAN KOLKATA 26 MARCH 2026

Centre launches revamped UDAN with ₹28,840 cr outlay

STATESMAN NEWS SERVICE
New Delhi, 25 March

The Union Cabinet on Wednesday approved the launch of the Modified UDAN (*Ude Desh Ka Aam Nagrik*) Scheme for a period of 10 years, from FY 2026-27 to FY 2035-36. The scheme will be implemented with a total outlay of Rs 28,840 crore, backed by budgetary support from the Government of India.

The revamped regional connectivity scheme aims to significantly expand India's aviation network, especially in underserved and unserved regions, while making air travel more affordable for the common citizen.

Under the modified scheme, the government expects the scheme to enhance regional air connectivity, particularly in Tier-2 and Tier-3 cities, while boosting economic growth, trade, and tourism. It is also expected to improve emergency response and healthcare access in remote and hilly areas.

Additionally, the initiative seeks to ensure better viability for regional airports and airlines, while promoting indigenous aerospace manufacturing under the Atmanirbhar Bharat initiative. The scheme aligns with India's long-term Viksit Bharat 2047 vision.

The scheme proposes the development of 100 airports from currently unserved airstrips, with a capital expenditure of Rs 12,159 crore over the next eight years. This is aimed at strengthening infrastructure and expanding the country's aviation footprint.

To address high operational costs and limited revenue at smaller airports, the government will provide O&M support for three years.

The support is capped at Rs 3.06 crore annually per airport and Rs 0.90 crore per heliport or water aerodrome, with a total estimated allocation of Rs 2,577 crore covering around 441 facilities.

To improve last-mile connectivity in difficult terrains such as hilly, remote, and island regions, the scheme includes the construction of 200 modern helipads at a total cost of Rs 3,661 crore over eight years.

These will primarily target aspirational and priority districts. Airline operators will continue to receive financial support through VGF to operate regional routes.

The government has allocated Rs 10,043 crore over 10 years to ensure sustained operations and route viability.

To address the shortage of small aircraft in remote areas, the scheme proposes procurement of two HAL Dhruv helicopters for Pawan Hans and two HAL Dornier aircraft for Alliance Air, boosting domestic manufacturing capabilities.

The UDAN scheme was launched in October 2016 with the objective of making air travel affordable and improving connectivity to smaller cities. Over the past nine years, the scheme has operationalised 663 routes across 95 airports, heliports, and water aerodromes (as of 28 February 2026), as per the government data.

During this period, more than 3.41 lakh flights have been operated, carrying over 162.47 lakh passengers.

The initiative has played a crucial role in connecting remote and underserved regions, while supporting the growth of regional airlines and diversified fleet operations.

THE TIMES OF INDIA DELHI 27 MARCH 2026

'Excessive noise' forces flight to divert, 2nd time in 10 days

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: For the second time in just 10 days, a new Airbus A350 (VT-JRF) of Air India with over 300 people on board could not complete its long haul journey due to turbulence, excessive vibration and noise in the belly hold section. The latest incident happened on Thursday when it was operating an AI 111 from Delhi to London.

This issue recurred when the aircraft was in Oman airspace. The airline decided to call it back to Delhi, where it returned after flying for over seven hours. The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) is probing the issue.

The same aircraft, on March 16, had faced a technical issue while flying from New York to Delhi and had to be diverted to Shannon in Ireland. The aircraft had remained grounded there for checks as suggested by Airbus and was flown to Delhi on March 19. It had since then operated 10 flights on Delhi-London-Delhi and Delhi-New York (via Rome) routes till the problem struck again on Thursday.

"Air India A350 aircraft VT-JRF operating flight AI 111 (returned to Delhi) due to excessive noise issue experienced by the flight crew. The aircraft turned back from near Oman airspace. Earlier the same issue was encountered on this aircraft while operating flight AI 102 (New York (JFK)-Delhi). Then maintenance/inspection was carried out on the aircraft in consultation with Airbus and no deficiency was observed. Officers from air safety directorate will investigate the aircraft," said a DGCA official.

An Air India spokesperson said its flight made a return to the capital as a precautionary measure following a suspected technical issue. "A non-specific vibration was felt in the cabin, though the flight deck indications remained normal. The flight crew elected to return to Delhi. It is undergoing technical checks in accordance with Air India's safety protocols. The airline's ground teams in Delhi are providing full assistance to passengers and crew," added the spokesperson.

The spokesperson also said the airline was making every effort to ensure passengers are able to continue their journey to London at the earliest. The flight had taken off from Delhi at 5.42am on Thursday and landed back at 12.51pm.

SpiceJet flyers from Delhi reach Pune over 4 hours late

Pune: Over 150 flyers of SpiceJet's Pune-Delhi evening service were deboarded from a Boeing 737 aircraft in Delhi after sitting inside for more than two hours amid confusion and later reached the city on the same plane at 11.15pm on Wednesday, over four hours behind the schedule. The flight (SG-938) was scheduled to depart from Delhi at 4.45pm and reach Pune at 6.55pm. A flyer, requesting anonymity, said the boarding happened around 4pm after the take-off time was advanced to 4.30pm. "The aircraft didn't move for a long time after the boarding was completed. In the absence of any information, flyers started to lose patience. Some passengers were told that a technical problem was being looked into. It was hot inside the aircraft but no one cared," the flyer said. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 27 MARCH 2026

AI London flight returns after 7 hrs; 2nd glitch in 10 days

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, MARCH 26

For the second time in less than a fortnight, a long-haul flight operated by Air India using its newest wide-body aircraft was forced to abandon its journey mid-air, raising fresh questions over operational reliability.

On Thursday, an Airbus A350-900 (VT-JRF) operating flight AI111 from Delhi to London Heathrow Airport returned to the national capital after remaining airborne for nearly seven hours due to a suspected technical issue.

The aircraft had taken off around 6 am but turned back as a precaution, landing safely in Delhi around 12.30 pm. This marks the second such incident involving the same aircraft in just 10 days. On March 15, the A350-900 (VT-JRF), then operating a New York-Delhi flight, had to be diverted to Shannon in Ireland following a technical snag, according to sources.

In a statement, the airline said the decision to return was taken after a suspected technical issue was detected mid-flight. The aircraft was now undergoing detailed technical checks.